ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष -9, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 360 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
15 जून 2024 शनिवार

आज का मौसम
39 अधिकतम
28 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

मेलोनी संग सेल्फी, इटली जी-7 में हिस्सा लेकर लौटे पीएम

नई दिल्ली, एजेंसी। इटली में जी-7 देशों के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुबह नई दिल्ली लौट आए। इटली से रवाना होने के बाद पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट कर अपनी सफल यात्रा के बारे में बताया था। शिखर सम्मेलन के इतर पीएम मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और पोप फ्रांसिस सहित कई नेताओं के साथ द्विपक्षीय चर्चा की। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ ही पीएम मोदी की एक सेल्फी वायरल हो रही है। जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान यह सेल्फी ली गई थी। पिछले साल दिसंबर में दोनों नेताओं ने दुबई में 28वें कॉन्फ्रेंस ऑफ द पार्टीज (सीओपी 28) के मौके पर एक सेल्फी क्लिक की थी। उल्लेखनीय है कि 13-15 जून तक इटली के पुगलिया में जी-7 शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए पीएम मोदी इटली गए थे। मोदी 14 जून को आउटरीच सत्र में भाग लिया, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ऊर्जा, अफ्रीका और भूमध्य सागर पर केंद्रित था।

नीटः छात्रों को सबूत के साथ पुलिस ने बुलाया

पटना, एजेंसी। बहुचर्चित नीट पेपर लीक मामले में बिहार आर्थिक अपराध इकाई ने 9 परीक्षार्थियों को नोटिस भेजकर उन्हें साक्ष्य समेत दफ्तर पूछताछ के लिए बुलाया है। यह इकाई वर्तमान में 5 मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा के दौरान संभावित पेपर लीक के दावों की जांच कर रही है। ईओयू ने नोटिस भेजकर परीक्षार्थियों को साक्ष्य समेत पूछताछ के लिए बुलाया है साथ ही उनके अभिभावकों को भी ऑफिस आने को कहा है। बताया जाता है कि नीट पेपर में धांधली की जांच के दौरान पुलिस की अब तक छानबीन में सॉल्वर गैंग के पास 13 परीक्षार्थियों के रोल कोड मिले थे जिसमें से चार को पुलिस ने पेपर लीक के समय ही गिरफ्तार कर लिया था, बाकी 9 परीक्षार्थियों के बारे में जानकारी के लिए ईओयू ने परीक्षा का संचालन करने वाली एजेंसी एनटीए को पत्र लिखा था व रेफरेंस नीट क्वेश्चन पेपर की मांग भी की थी।

नीतीश अस्पताल में भर्ती, हाथ में दर्द की समस्या

पटना एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिवार सुबह अचानक पटना सबसे बड़े प्राइवेट अस्पताल पहुंच गए। वह आँखों डिपार्टमेंट में अपना इलाज करवा रहे हैं। बताया जा रहा है कि सुबह उठते ही सीएम नीतीश कुमार को हाथ में काफी दर्द महसूस होने लगा था। इसके बाद अपने चिकित्सक से उन्होंने परामर्श लिया और प्राइवेट अस्पताल पहुंच गए। बताया जाता है कि अभी सीएम नीतीश ठीक हैं। आँखों डिपार्टमेंट के सीनियर डॉक्टर उनका इलाज कर रहे हैं।

19556 विद्यार्थियों का एनसीटीई कोर्स में रजिस्ट्रेशन, आज सत्यापन का दिन

भोपाल। प्रदेश के बीएड कॉलेजों में प्रवेश के लिए एनसीटीई के नौ कोर्सों के लिए काउंसलिंग जारी है। दो चरणों के बाद अब तीसरे चरण की प्रक्रिया चल रही है। तीसरे चरण में शुक्रवार को अंतिम दिन तक करीब 52 हजार विद्यार्थियों ने चॉइस फिलिंग की है। इसमें से करीब 32 हजार विद्यार्थी दूसरे चरण की सीट छोड़कर रिचॉइस करने वाले हैं। तीसरे राउंड में 19556 नए विद्यार्थियों ने पंजीयन कराए हैं। इसमें बीएड कोर्स में पंजीयन, चॉइस फिलिंग और सत्यापन कराने वाले विद्यार्थियों की सर्वाधिक है। तीसरे चरण में सत्यापन की शनिवार को आखिरी तारीख है। इसमें समेकित मेरिट लिस्ट 18 जून को जारी होगी, जबकि आवंटन 25 जून को होगा।

मुख्यमंत्री ने उज्जैन में तालाब गहरीकरण के लिए किया श्रमदान

सीएम ने कहा अब कोई भी अभियान से अछूता नहीं, संघ के मिशन का आज महत्वपूर्ण पड़ाव

उज्जैन, दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जलगंगा मिशन के तहत आज अपने गृहक्षेत्र उज्जैन में कहा कि जल स्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रदेश भर में वृहद स्तर पर जल गंगा संवर्धन अभियान में सभी 55 जिलों में तहसील, पंचायत, ग्राम स्तर तक कोई भी अब इस अभियान के प्रभाव से अछूता नहीं है। यह जल के प्रति हमारी निष्ठा और जागरूकता को दिखाता है। मुख्यमंत्री ने उज्जैन के पुलिस लाइन में आयोजित जल अभियान के तहत तालाब गहरीकरण कार्यक्रम में हिस्सा लिया और तालाब गहरीकरण के लिए श्रमदान किया। इस अवसर पर सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, सतीश मालवीय समेत एसपी राजेश राजौरा, डीजीपी, संभागायुक्त व आईजी व अन्य अफसर मौजूद थे। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पुलिस लाइन के तालाब का वॉलिंटियर्स द्वारा गहरीकरण कार्य किया जा रहा है। तालाब का 15 फीट तक गहरीकरण करने का लक्ष्य है। वर्षा के दौरान 1500 से अधिक पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आज अभियान को उत्सवी माहौल दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कार्यक्रम में पाम का पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

भागवत-योगी की मुलाकात

लोकसभा चुनाव के नतीजे के बाद से संघ नेताओं के भाजपा को लक्ष्य करके किये जा रहे तीखे बयान से भाजपा के अंदरखानों में हंगामा मचा हुआ है। पहले मोहन भागवत ने और बाद में इंद्रेश कुमार ने भाजपा पर अहंकार हावी होने की बात कही है। अब उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच अहम मुलाकात होने जा रही है। लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद संघ की तरफ से आ रहे बयानों के मद्देनजर यह मुलाकात अहम मानी जा रही है। इधर हंगामे के चलते इंद्रेशकुमार ने बयान पर यू टर्न लिया है और कहा है कि 'देश का वातावरण बहुत स्पष्ट है जिन्होंने राम का संकल्प लिया आज वो सत्ता में हैं।

संघ-भाजपा तनातनी के बीच

कांग्रेस शिवसेना संघ पर हमलावरः इधर कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि पिछले दस साल से आरएसएस खुद सत्ता के मजे लूट रहा था। अब जब चुनाव के नतीजों से झटका लगा तो उन्हें अहंकार की याद आई है।

अब एसबीआई ने ब्याज दर बढ़ाई, ईएमआई चुकाने वालों को झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट को नहीं बदला है लेकिन लेकिन अब कई बैंकों ने लोन पर ब्याज बढ़ाना शुरू कर दिया है। भारतीय स्टेट बैंक ने होम लोन के ब्याज में एक बार फिर बढ़ोतरी कर दी है। इसके चलते बैंक लोन पर ज्यादा ईएमआई चुकाना होगा। एसबीआई ने आज 15 जून से सभी टेन्योर के लिए अपनी मार्जिनल कॉस्ट ऑफ लेंडिंग रेट्स में 10 बेसिस प्वाइंट या 0.1 प्रतिशत का इजाफा किया है। एसबीआई के इस कदम से एमसीएलआर से जुड़े सभी तरह के लोन की ईएमआई बढ़ जाएगी। इस बढ़ोतरी के साथ एक साल का एमसीएलआर 8.65 प्रतिशत से बढ़कर 8.75 प्रतिशत हो गया है, ओवरनाइट एमसीएलआर 8.00 प्रतिशत से बढ़कर 8.10 प्रतिशत हो गया है और एक महीने और तीन महीने का 8.30प्रतिशत हो गया है।

'लड़ाईयां अब सिर्फ जंग के मैदान तक ही सीमित नहीं'

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के डंडीगल में एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने वायुसेना अकादमी में 213 ऑफिसर्स कोर्स की संयुक्त स्नातक परेड में बड़ी बात कही है। परेड में एयर चीफ मार्शल ने कहा कि आधुनिक युग की लड़ाई अब केवल जंग के मैदान तक सीमित नहीं, बल्कि लगातार विकसित होने वाला एक परिदृश्य है। यह जटिल डेटा नेटवर्क और नए साइबर प्रौद्योगिकियों से प्रभावित हो रहा है। हम पुरानी सोच के साथ कल के युद्ध को नहीं लड़ सकते। एयर चीफ मार्शल चौधरी कहा, 'आधुनिक युग की लड़ाई एक गतिशील और निरंतर विकसित होने वाला परिदृश्य है। यह केवल युद्ध के क्षेत्र तक ही सीमित नहीं है। यह जटिल डेटा नेटवर्क और साइबर प्रौद्योगिकियों से तेजी से प्रभावित हो रहा है। एक लीडर के तौर पर आप लोगों को जंग जीतने के लिए प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से अपनाने के साथ उसका लाभ उठाना सीखना होगा।' व्यावसायिकता, आक्रामकता और पहल एक लीडर के तीन सबसे अहम गुण हैं। ऐसे लीडरों की भी आवश्यकता है जो विचारशील हो।

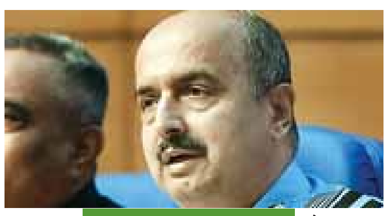
एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी का बड़ा बयान

नारायणपुर में सुरक्षाबलों ने 8 नक्सलियों को किया ढेर

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ की खबर है। जानकारी के अनुसार यहां अबूझमाड़ के जंगलों में मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गए हैं। मुठभेड़ में एक जवान बलिदान हो गया है और दो जवान घायल हैं। अभी मुठभेड़ जारी है। अबुझमाड़ के जंगलों में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षाबलों की कार्रवाई जारी है। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर सीमावर्ती जिलों के साथ मिलकर संयुक्त ऑपरेशन चलाया है। जवानों का संयुक्त ऑपरेशन अबुझमाड़ के कुतुल फरसबेड़ा कोड़तामेटा क्षेत्र में जारी है। जानकारी के मुताबिक, नारायणपुर जिले के माड़ में पिछले दो दिनों से सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। संयुक्त ऑपरेशन में नारायणपुर-कोंडागांव-कांकेर-दंतेवाड़ा डीआरजी, एसटीएफ और आईटीबीपी 53वीं बटालियन बल शामिल हैं।

आप तो ऐसे न थे, कांग्रेस ने आप के खिलाफ खोला मोर्चा

नई दिल्ली। कल तक दिल्ली में साथ में मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के रास्ते हुए एक बार फिर अलग हो गए है। लोकसभा चुनाव में दोनों ही पार्टियों को दिल्ली में मिली करारी हार के बाद एक बार फिर एक दूसरे के खिलाफ हो गए हैं।आप तो विधानसभा चुनाव अलग लड़ने का फैसला कर चुकी हैं। लिहाजा कांग्रेस ने पानी की किल्लत पर आम आदमी पार्टी को घेर कर यह साफ कर दिया कि अगला विधानसभा चुनाव कांग्रेस अकेले लड़ेगी। आज दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में कांग्रेस आम आदमी पार्टी के खिलाफ करेगी मटका फोड़ प्रदर्शन कर रही है। दिल्ली में पिछले कई दिनों से पानी की भीषण किल्लत है। आलम यह है कि कई इलाकों टैंकर से पानी की सप्लाई हो रही है। लेकिन टैंकर टाइम पर ना आने के कारण लोग खासी परेशान है।

मेट्रो एंकर

फ्रीडम पर कॉन्फ्रेंस की कलह, अरुंधति फिर विवादों में....

कश्मीर पर बयान, 14 साल बाद नए सिरे से मुकदमा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की जानी मानी लेखिका व बुकर पुरस्कार से सम्मानित अरुंधति राय पर उनके एक कथन के खिलाफ मुकदमा चलने वाला है। यह कथन 14 साल पुराना है लेकिन दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने अरुंधति और कश्मीर सेंट्रल यूनिवर्सिटी में अंतराष्ट्रीय कानून के पूर्व प्रोफेसर डॉ. शेख शौकत हुसैन के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यानि यूएपीए की धारा 45(1) के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी दी है। दरअसल, दिल्ली के कोपरनिकस रोड स्थित एलटीजी ऑडिटोरियम में 21 अक्टूबर 2010 को 'आजादी- द ओनली वे' नाम से एक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था, जिसमें अरुंधति रॉय और प्रो. शौकत हुसैन ने शिरकत की थी। दोनों पर उस कॉन्फ्रेंस के दौरान भड़काऊ भाषण देने और कश्मीर को भारत से अलग हिस्सा बताने का आरोप है। इसे लेकर 27 नवंबर, 2010 को सोशल एक्टिविस्ट सुशील पंडित ने रॉय और हुसैन पर एफआईआर दर्ज कराई थी। तब दिल्ली एलजी ने पिछले साल अक्टूबर में केवल आईपीसी धाराओं के तहत दोनों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। अब यूएपीए के तहत भी दोनों के खिलाफ मुदमा चलाने को मंजूरी दे दी है।

लेखिका अरुंधति रॉय पर आरोप है कि उन्होंने कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने भाषण में कहा था, कश्मीर कभी भी भारत का हिस्सा नहीं था। उस पर भारत के सशस्त्र बलों ने जबरन कब्जा किया हुआ है। उस कॉन्फ्रेंस में अलगावादी नेता सैयद अली शाह गिलानी, एसएआर गिलानी (कॉन्फ्रेंस के एंकर और संसद हमले मामले में बरी हुए) और वरवरा राव सहित अन्य वक्ता भी शामिल थे। सैयद अली शाह गिलानी और एसएआर गिलानी की मृत्यु हो चुकी है। । कश्मीर और भारतीय सेना को लेकर उनके बयानों पर भी विवाद होता रहा है. वह मेधा पाटकर के साथ गुजरात में नर्मदा नदी पर बने सरदार सरोवर डैम प्रोजेक्ट के खिलाफ अभियान में शामिल रही हैं।

गॉड ऑफ स्माल थिंग्स

उल्लेखनीय है कि अरुंधति रॉय की लिखी किताब 'द गॉड ऑफ स्मॉल थिंग्स' को 1997 में बुकर प्राइज मिला चुका है। यह उनका पहला उपन्यास था और बुकर प्राइज जीतने वाली वह पहली भारतीय महिला बनी थीं। टाइम मैगजीन ने 2014 में अरुंधति रॉय को दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की अपनी सूची में स्थान दिया था। दुनिया के प्रमुख समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर उनके लेख प्रकाशित होते रहते हैं। सितंबर 23 में उन्हें, 2021 में प्रकाशित उनके निबंध संग्रह 'आजादी' के लिए 45वें यूरोपियन डे ला एसाई लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था

मोदी कैबिनेट में मप्र के 6 मंत्रियों का अभिनंदन 16 को

भोपाल। भाजपा महामंत्री भगवानदास सबनानी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल प्रदेश के 6 मंत्रियों का 16 जून को शाम 5 बजे भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में अभिनंदन किया जाएगा। उन्होने कहा कि मंत्रिपरिषद में पिछली बार की तरह ही पुनः छः मंत्रियों को स्थान मिला है। नयेन मंत्रिमंडल में शिवराज सिंह चौहान, वीरेन्द्र कुमार, ज्योतिरादित्य सिंधिया, एल. मुरूगन, दुर्गादास उईके, सावित्री ठाकुर को शामिल किया गया है। सबनानी ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने सभी मंत्रियों से आग्रह किया था जिस पर सभी केन्द्रीय मंत्रियों ने अपनी सहमति दी है।

अब पेड़ों के बचाने उमड़े लोग, रक्षासूत्र बांधकर हिफाजत का लिया संकल्प

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत शिवाजी नगर व तुलसी नगर के मकान गिराने के विरोध में जनआंदोलन खड़ा होता नजर आ रहा है। इस प्रोजेक्ट की चपेट में हजारों पेड आने की वजह से चिपको आदोलन चल रहा है, अब नूतन कॉलेज के सामने लोगों ने जमा होकर 29000 पेड़ों की रक्षा के लिये इन पर रक्षा सूत्र बांधे एवं पेड़ों की सुरक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम में शहर के पर्यावरण प्रेमी व आम लोग उपस्थित हुए। भोपाल के पर्यावरणविदों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं ने 29000 पेड़ों को बचाने पर्यावरण की रक्षा के लिए सरकार से इस पूरे क्षेत्र को हरियाली संरक्षित करने की बात एक सुर में कही। कर्मचारी नेता व पर्यावरण प्रेमी उमाशंकर तिवारी ने बताया 297 एकड़ जमीन पर यह पेड़ लगे हुए हैं यहां पेड़ों को काटकर विधायक एवं अधिकारी कर्मचारियों के लिए आवास बनाने की योजना है। यह हर लिहाज से गलत है।

पर्याप्त बंगले हैं फिर भी

अभी मंत्रियों के लिये बी टाईप के 71 बंगले हैं और ई डी टाइप के 631आवास हैं जो वर्तमान में 230 विधायकों के लिए पर्याप्त हैं इस क्षेत्र में वर्तमान में जो 2267 आवास हैं वह भी टूटेंगे। शहर के पर्यावरण प्रेमी इन्हें बचाने के लिए आगे आए हैं लगभग 50-60 साल से पुराने 29000 पेड़ ऑक्सीजन प्लांट के रूप में इस क्षेत्र और भोपाल शहर में काम कर रहे हैं इनको कटने नहीं देंगे। भोपाल शहर में बीआरटीएस मेट्रो स्मार्ट सिटी कोलार रोड पीडब्ल्यूडी का ब्रिज बनाने विकास के नाम पर वर्षो से लाखों हरे-भरे पेड़ों को काट दिया गया है हरे-भरे पेड़ों पर लगातार कुल्हाड़ी चलाई जा रही है इससे शहर का तापमान लगातार बढ़ रहा है

स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किए सभी जिला कलेक्टरों को आदेश

आरटीई में प्रवेश देने से की आनाकानी तो स्कूल की मान्यता होगी समाप्त

कहा- अधिनियम का उल्लंघन करने वाले स्कूलों का किया जाए परीक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत प्रवेश में आनाकानी करने वाले निजी स्कूलों की अब मान्यता समाप्त हो सकती है। ऐसे स्कूलों के विरुद्ध कार्यवाही को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी है। विभाग द्वारा ऐसे स्कूलों की मान्यता समाप्त की जाएगी। विभाग द्वारा इन स्कूलों की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

स्कूलों पर कार्यवाही को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिलों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। राज्य शिक्षा केंद्र के सभी जिला कलेक्टरों को लिखे पत्र में कहा है कि अधिनियम के उल्लंघन पर समस्त अशासकीय विद्यालयों का तत्काल परीक्षण किया जाए, जहां स्कूल आवंटन के पश्चात भी प्रवेश नहीं दिया गया है। अशासकीय विद्यालयों द्वारा यदि शासन के निर्देशों के पश्चात भी निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 का उल्लंघन किया गया है, तो उनके विरूद्ध शिक्षा का अधिकार नियम 11(7) अनुसार कार्यवाही प्रस्तावित की जाए। इसके तहत स्कूलों की मान्यता समाप्त की जाएगी।

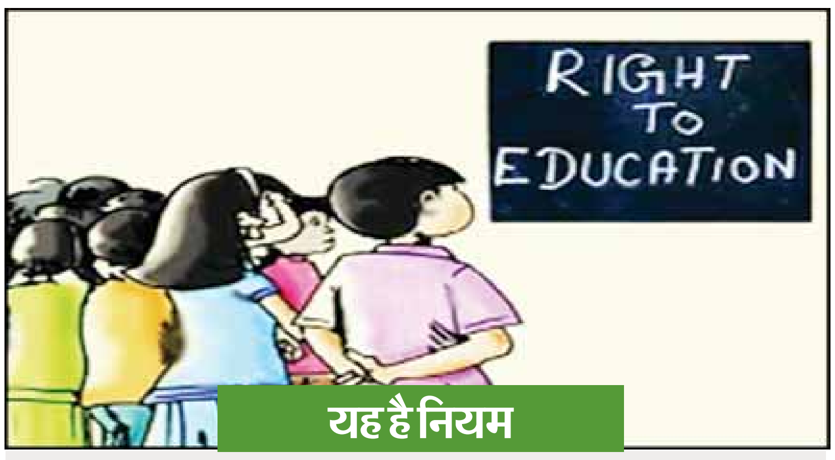

यह है नियम

राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा सत्र 2024-25 के लिए आरटीई के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए प्रक्रिया के लिए आदेश बीती 21 फरवरी को जारी किए थे। 14 मार्च को ऑनलाइन लाटरी के माध्यम से विद्यार्थियों को स्कूलों का आवंटन किया गया। निजी स्कूलों में 23 मार्च तक प्रवेश हेतु कार्यवाही निर्देश दिए गए। राज्य शिक्षा केंद्र का कहना है कि प्रवेश प्रक्रिया के परीक्षण में पाया गया कि कुछ जिलों में कतिपय विद्यालयों में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत सत्र 2024-25 में लॉटरी के माध्यम से प्रथम चरण में चयनित छात्रों को प्रवेश नहीं दिया गया है। चयनित छात्रों को प्रवेश नहीं देना वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के छात्रों के अधिकारों का हनन है, तथा निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12 (1) (सी) का स्पष्ट उल्लंघन है।

मिशन अंकुर की वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट

71 600 बच्चों पर सर्वे, 39 प्रतिशत बच्चे पढ़ पाते हैं प्रति मिनट हिंदी के 45 शब्द

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में गणित विषय में कक्षा 2 में बिना हासिल के 2 अंकीय जोड़ के कौशल को प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। नवम्बर 2022 में 25 प्रतिशत बच्चे इस दक्षता को कर पा रहे थे, जो 2024 के आकलन में बढ़कर 75 प्रतिशत हो गए हैं। वहीं प्रदेश में कक्षा 2 एवं 3 के 27 प्रतिशत बच्चे 35 शब्द एवं 39 प्रतिशत बच्चे 45 शब्द प्रति मिनट के मान से हिंदी भाषा को धाराप्रवाह रूप से पढ़ पा रहे हैं। यह आंकड़ा स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी मिशन अंकुर की वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट में सामने आया है।

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने भोपाल में निपुण भारत अभियान मिशन अंकुर की कार्यशाला का शुभारंभ करने के साथ ही राज्य एवं जिलावार वार्षिक मूल्यांकन 2024 का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। उन्होंने कहा कि नवम्बर 2022 के मूल्यांकन के विगत रिपोर्ट कार्ड की तुलना में इस बार निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। प्रदेश में निपुण भारत अभियान मिशन अंकुर के माध्यम से छात्रों की निपुणता में सकारात्मक प्रगति हुई है। प्रदेश के सरकारी शालाओं में शिक्षा की गुणवत्ता में किए जा रहे सुधारों का असर दिखा है।

2 और 3 का वार्षिक मूल्यांकन किया गया

राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा फरवरी 2024 में कक्षा 2 और 3 का वार्षिक मूल्यांकन किया गया था। जिसमें निपुण भारत अभियान के निर्धारित मापदंड के अनुसार प्रदेश की प्रगति का अध्ययन किया गया। वार्षिक मूल्यांकन 2024 की रिपोर्ट के अनुसार बच्चों के लर्निंग आउटकम में अपेक्षानुसार सुधार हो रहा है। उक्त मूल्यांकन प्रदेश के 4,500 से अधिक स्कूलों में किया गया है, जिसमें कक्षा 2 के 34,000 से अधिक एवं कक्षा 3 के 37,600 से अधिक बच्चों का आकलन किया गया। जिसमें बच्चों के साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के लिये निर्धारित मानकों के अनुरूप दक्षताओं को सम्मिलित किया गया।

कर्मचारी चयन मण्डल

संयुक्त परीक्षा-2022 में उम्मीदवारों को मिलेगा पिछड़ा वर्ग आरक्षण का लाभ

भोपाल। कर्मचारी चयन मण्डल द्वारा समूह-3, उपयंत्री, मान चित्रकार, समयपाल एवं समकक्ष पदों की सीधी एवं बैकलॉग भर्ती के लिए आयोजित संयुक्त परीक्षा-2022 में शामिल हुए उम्मीदवारों के लिए काम की खबर है। परीक्षा परिणाम में अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण के लाभ को लेकर हाईकोर्ट में दायर याचिका खारिज कर दी गई है। हाईकोर्ट द्वारा रिट याचिका पर सुनवाई और याचिका के डिसमिसल से अन्य पिछड़ा वर्ग के शेष 13 प्रतिशत अभ्यर्थियों की नियुक्ति का रास्ता खुल गया है। अब परीक्षा परिणाम अनुसार पिछ?ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 27 प्रतिशत आरक्षण का पूरा लाभ मिलेगा। शासन ने इस संबंध में 26 जून 2023 की कंडिका-5 अनुसार पदों की भर्ती में पिछ?ा वर्ग आरक्षण का लाभ देने नियमानुसार कार्रवाई करने के लिये संबद्ध विभागों को लेकर शुक्रवार को आदेश जारी कर दिए हैं।

परिणाम 27 प्रतिशत आरक्षण के साथ घोषित किया गया था: कर्मचारी चयन मण्डल द्वारा समूह-3, उपयंत्री, मान चित्रकार, समयपाल एवं समकक्ष पदों की सीधी एवं बैकलॉग भर्ती के लिये संयुक्त परीक्षा-2022 का परिणाम पिछ?ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण के साथ घोषित किया था। न्यायालयीन प्रकरण को ध्यान में रखते हुए कर्मचारी चयन मण्डल द्वारा 87 प्रतिशत रिक्त पदों के लिये नियुक्ति आदेश जारी किये गये।

प्राकृतिक चिकित्सा का 10 दिवसीय आवासीय शिविर शुरू

सदैव स्वस्थ रहने के सूत्र सीखने देश भर से आए साधक

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केन्द्र द्वारा आयोजित 'रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर श्रृंखला' में शुक्रवार से दस दिनी शिविर की शुरूआत हुई, जिसमें साधक अपक्काहार एवं प्राकृतिक उपचार के साथ-साथ योगा, आयुर्वेदिक उपचार, फिजियोथैरेपी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, शिरोधारा, पोटली मसाज से लाभ की उम्मीद लेकर आए हैं।

शिविर में शिविरार्थियों को प्राकृतिक उपचार, योग, उपवास एवं अपक्क आहार, रसाहार, फलाहार के माध्यम से स्वस्थ रहने की कला सिखाई जाएगी। शिविर के प्रथम दिन प्रातः 07 बजे से शिविर में आए शिविरार्थियों का सर्वप्रथम पंजीयन एवं परामर्श प्राकृतिक चिकित्सकों द्वारा किया गया एवं इसके पश्चात् शिविर का शुभारंभ व्याख्यान रेजिडेंशियल मेडिकल ऑफिसर डॉ दिनेश यादव ने दिया।

यादव ने कहा कि शिविर का उद्देश्य है बिना दवा तंदुरूस्ती पाना। इस दस दिवसीय शिविर में आप अपने शरीर का शुद्धिकरण कैसे करेंवो सीखेगें। शरीर का शुद्धिकरण होना बहुत ही आवश्यक हैं इसलिए इस शिविर का नाम ही रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर' रखा गया है। इस शिविर में आप ऐसी कला सीखेंगें जिससे आप सुखमय व स्वास्थ्यमय जीवन पा सकें।

गतिविधियां : जागरण एवं नित्यकर्म, नियमित योगाभ्यास, यौगिक क्रियाएँ, ध्यानात्मकक्रियाएँ एवं आनंद मेला। बीमारियो को दूर करने में एनिमा, उपवास, अपक्काहार, नींद, शुभ चिंतन व ग्रीन जूस को अपनाकर सदैव स्वस्थ रहने की कला समस्त साधकों बताई। आरोग्य केन्द्र में हेल्थ प्रमोटर सर्टिफिकेट कोर्स भी इस शिविर से प्रारंभ हुआ है। जिसके बारे में भी साधकों को जानकारी डॉ दिनेश यादव द्वारा दी गई।

विश्व के टॉप स्कूल में मप्र के शामिल होने का फर्जी दावा न करे सरकार : कांग्रेस

भोपाल। मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि कथित अंर्तराष्ट्रीय संस्था 'टी-4 एजुकेशन' द्वारा आयोजित विश्व के सर्वश्रेष्ठ स्कूल पुरस्कार के टॉप 10 में मध्यप्रदेश के दो सीएम राइज स्कूलों को स्थान दिया गया है। इस पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए शिक्षा से जुड़े सभी अधिकारीयों को बधाई तक दे दी है। मगर अतिउत्साही मुख्यमंत्री ने बधाई देने से पहले इस कथित अंर्तराष्ट्रीय संस्था की जांच भी नहीं की। मुख्यमंत्री ने अपने ट्वीट में संस्था के जिस यूट्यूब चैनल का जिक्र किया है, उस चैनल के पिछले 6 महीने में एक भी वीडियो को 100 व्यूज भी नहीं हैं, जिसके ट्विटर पर 7000 फालोअर भी नहीं, जिसके इंस्टाग्राम पर 4000 फालोअर भी नहीं, जिसके लिंकडिन के अनुसार जिस संस्था में न्यूनतम 11 कर्मचारी हैं। ऐसी संस्था जिसके पास हर देश में औसतन एक कर्मचारी भी नही। ऐसी संस्था की बात पर यकीन करना आपका बचपना है।

सेवा सदन को शहानी के नेत्रों का दान

हिरदाराम नगर। अयोध्या बायपास रोड, भोपाल निवासी 72 वर्षीय श्री एन. एन. शहानी का देहावसान शुक्रवार को हो गया। दिवंगत प्राणी के पुत्र रवि शहानी ने अपने पिता की आंखें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दे दी हैं। दिवंगत प्राणी के नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जाएंगे। सेवा सदन अस्पताल ने अभी तक 2117 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना तथा परिवार जन के प्रति स्वजन के नेत्रों का दान करवाने पर कृतज्ञता प्रकट की है।

मेट्रो एंकर

खेमचंदानी ने अपनी टीम के साथ ली मातृभूमि की सेवा की शपथ

भारत विकास परिषद संतनगर का शपथ ग्रहण समारोह

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भारत विकास परिषद संतनगर का शपथ ग्रहण समारोह नंदवानी भवन में आयोजित किया गया, जिसमें म.प्र. मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी, डॉ. अनिल कोठारी महानिदेशक, म.प्र. काउंसिल ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी ने अपने विचार रखे। वक्ता प्रो. भूपेन्द्र कुमार प्राध्यापक, अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय की मौजूदगी में परिषद की नई टीम ने पद की शपथ ली।

नंदवानी भवन में आयोजित समारोह में कार्यक्रम की शुरूआत परंपरागत तरीके से हुई। कार्यक्रम परिषद के अध्यक्ष जीटी खेमचंदानी, उपाध्यक्ष कविता इसराणी, दिनेश वाधवानी, सचिव सुरेन्द्र मोतियानी समेत 22 कार्यकारिणी सदस्य हरीश मूलानी, गुलाब जेठानी, राकेश हरपलानी, डॉ. निशा सक्सेना, प्रकाश आसुदानी, डॉ. सुरेश मोटवानी, विमल भंडारी, किशन उदासी, सुंदर किशनानी, कीर्ति तोलानी, राजेश बेलानी, रवि केसवानी, श्याम उदासी, वी एन मोतियानी, महेश दयारामानी, ए सी साधवानी, नवरंग धाकड़, महेश बजाज, मोहन मनवाणी, भारत धनवानी, राजा इसरानी, अमित बिनवानी, प्रकाश रंगवानी ने शपथ ली। इस अवसर पर ममतानी ने कहा, हमे प्राचीन संस्कृति और संस्कार के साथ आगे बढ़ना होगा। यह समय परिवर्तन का काल है, विकास की रफ्तार तेज है, लेकिन विकास सबके हित में होना चाहिए। विकास में विनाश की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने ने कहा कि अभी हमने देश की आजादी के 75 साल होने पर अमृत महोत्सव मनाया है। अगले 25 साल अमृत काल है, अमृत काल बोलकर कुछ नहीं होगा। सभी को अपना योगदान देश हित में देना होगा। अमृतमयी बनाना होगा अमृतकाल को। विकास कभी-कभी परेशान करता है, उसमें सर्वमान्यता की कमी होती है। आज दुनिया मानती है ऐसा विकास होना चाहिए जो हर क्षेत्र में हर व्यक्ति के लिए हित में हो। 2030 तक लिए दुनिया ने अपने गोल तय किए हैं। भारत को भी उसमें योगदान देना है। उन्होंने कहा कि भारत ने 2045 के लिए लक्ष्य तय किए हैं, लेकिन मानना है कि उससे पहले ही यह लक्ष्य हासिल हो जाएंगे। देश दुनिया में तेजी से खुद को साबित कर रहा है और करेगा। आर्थिक रूप से हम दुनिया की तीसरी बड़ी शक्ति बनेंगे। आत्मनिर्भरता के लिए हमारे प्रयास जिस तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, वह दुनिया में जो अक्श बनाएंगे, उसमें सभी को भारत की महत्वता समझ आएगी। ममतानी ने भारत विकास परिषद की मातृभूमि की सेवा में समर्पित सेवाभाव की सराहना की। उन्होंने यह देशभक्त प्रबुद्धजनों का संगठन है, जो राष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए अपना योगदान देने की प्रेरणा दे रहा है। संस्कार, सेवा और समर्पण का संगठन का लक्ष्य भारत के अमृतकाल को अमृतमयी बनाएगा।

दोपहर मेट्रो
epaper.dopaharmetro.com

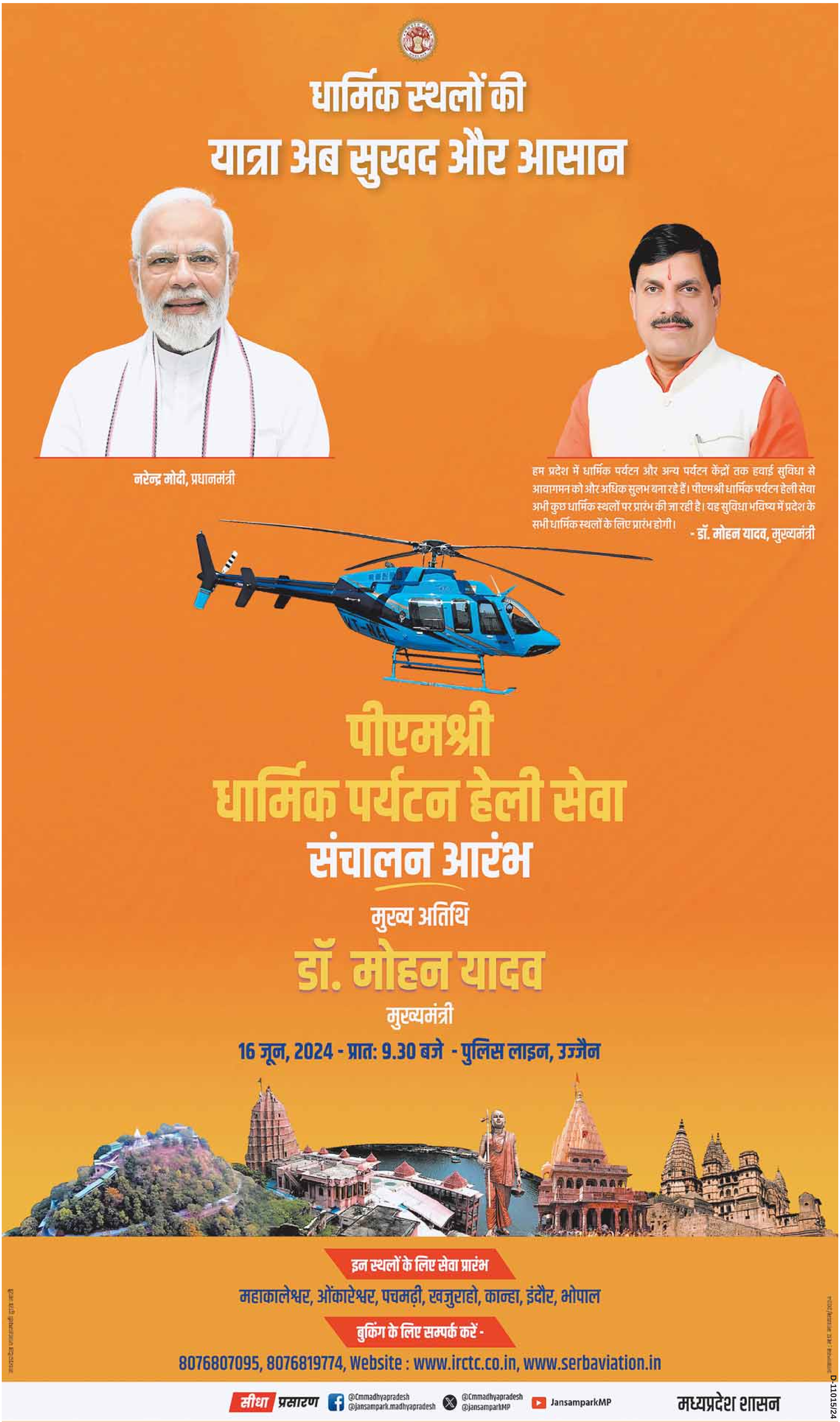

संपादकीय

बेहतरी का दारोमदार बजट पर

तीसरी बार पद संभालने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने जब अपने मंत्रियों को विभागों का बंटवारा किया तो इसके पहले बहुत सारे सवाल उठे ते। लेकिन पुराने मंत्रियों को ही प्रमुख मंत्रालयों का आवंटन पुरानी नीतियां जारी रहने का संकेत देता है। इससे वित्तीय बाजारों में भरोसा पैदा होता भी नजर आ रहा है। इससे जहां व्यापक निरंतरता से अल्पावधि में विश्वास बढ़ाने में मदद मिलेगी, वहीं बदलते हालात के साथ नीतियों में परिवर्तन भी आवश्यक है। इस संदर्भ में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से उम्मीद की जाएगी कि वह हालिया वर्षों की बुनियाद पर आगे बढ़ेंगी। उनका पिछला कार्यकाल हाल के समय में किसी भी वित्त मंत्री के लिहाज से सर्वाधिक कठिन कार्यकाल था। ऐसा महामारी के कारण लगे झटकों की वजह से था। हालांकि भारत महामारी के कारण लगे झटके से मजबूती से उबरने में कामयाब रहा लेकिन चल रहे प्रयासों की मदद से ही टिकाऊ वृद्धि हासिल की जा सकेगी और देश की राजकोषीय स्थिति को बेहतर बनाया जा सकेगा। सरकार 2025-26 तक सकल घरेलू उत्पाद के 4.5 फीसदी के बराबर राजकोषीय घाटा लक्ष्य हासिल करने की दिशा में बढ़ती नजर आ रही है। साथ ही अपेक्षा से अधिक राजस्व संग्रह और आर्थिक वृद्धि ने राजकोषीय घाटे को पहले ही कम करके 5.6 फीसदी के स्तर पर ला दिया था। चालू वर्ष में भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से अपेक्षा से अधिक अधिशेष स्थानांतरण भी सरकारी वित्त की मदद करेगा। अब जबकि सीतारमण और उनकी टीम जुलाई में पूर्ण बजट तैयार करना शुरू करेंगे, तो जानकारों का मानना है कि वे रिजर्व बैंक के अतिरिक्त अधिशेष का इस्तेमाल राजकोषीय घाटा कम करने में करें और उसे मध्यम अवधि के लक्ष्य के करीब ले जाएं। क्योंकि नए राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए अतिरिक्त व्यय का दबाव बन सकता है। इन बातों के बीच सरकार अतीत के वर्षों में कड़ी मेहनत से हासिल राजकोषीय लाभ को हाथ से नहीं जाने देने का भरपूरा प्रयास भी करेगी। कोशिश होना चाहिये कि राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 3 फीसदी के स्तर तक लाने के लिए संशोधित राजकोषीय पथ प्रस्तुत किया जाए। यह ॠण और जीडीपी के अनुपात को अधिक प्रबंधनयोग्य स्तर पर लाने के लिहाज से भी यह बहुत महत्त्वपूर्ण होगा। अंतरराष्टीय मुद्रा कोष के पूर्वानुमानों के अनुसार भारत का आम सरकारी ॠण 2029 तक महामारी के पहले के स्तर से ऊपर बना रह सकता है। राजस्व समायोजन के संबंध में केंद्र सरकार को जीएसटी परिषद में तत्काल वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी की दरों और स्लैब को युक्तिसंगत बनाने का प्रयास करना चाहिए। इससे न केवल राजस्व संग्रह बढ़ाने में मदद मिलेगी बल्कि कारोबारी सुगमता में भी सुधार होगा। घाटे को कम करने में एक संभावित चुनौती वृद्धि पर इसका प्रभाव होगा। महामारी के बाद की अवधि में आर्थिक वृद्धि मोटे तौर पर सरकारी पूंजीगत व्यय पर निर्भर रही है। टिकाऊ राजकोषीय समेकन के साथ निजी क्षेत्र को निवेश में कमी को पूरा करना होगा। कुल मिलाकर निजी क्षेत्र क्षमता का विस्तार करने में हिचकिचा रहा है। संभव है इसकी वजह कमजोर घरेलू मांग हो। ग्रामीण भारत में जहां मानसून के सामान्य होने के साथ मांग में सुधार देखने को मिल सकता है, वहीं भारत को वैश्विक मांग की भी पूर्ति करनी है। सरकार ने हाल के वर्षों में टैरिफ में इजाफा किया है जो बाहरी प्रतिस्पर्धा पर असर डालता है। इस बीच निवेश जुटाने और वृद्धि को गति प्रदान करने एक समग्र सरकारी सोच की जरूरत है। नई सरकार के लिये बजट ही उसके रोडमैप की तरह देखा जाएगा।

निशाना

हम भी करें प्रहार !

दो हमको अधिकार ।
लड़नी और लड़ाई ।।
करते आए, करना है ।
आप की भलाई ।।
दे दो इतनी सीटें ।
हम भी करें प्रहार ।
और प्यार बरसा कर ।
पहनाओ फिर हार ।
डाल रहे वो बाधा ।
करते जो भी काम ।।
वादा है निभाया ।
किए जो तमाम ।।
ना रूकना है हमको ।
यूं ही चलते जाना ।।
भले पूर्व में हमने ।
है भरा हर्जाना ।।

- कृष्णेन्द्र राय

दो अलग-अलग भाजपा चुनावी मुकाबले में थी

सत्ता को चुनौती देने वाली भाजपा की जीत और सत्ताधारी की हार हुई

■ योगेंद्र यादव, राहुल शास्त्री, श्रेयस सरदेसाई

क्या चुनाव के नतीजों को सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ आये जनादेश के रूप में देखा जा सकता है? इस लेख के हम तीन लेखकों में एक योगेन्द्र यादव का तर्क है कि हां, मामला बिल्कुल ऐसा ही है. बेशक एनडीए के पास इतनी सीटें हैं कि वो सरकार बना ले, लेकिन बीजेपी ने न सिर्फ बहुमत गंवाया बल्कि वह जनता-जनार्दन के दिल से भी उतर गई है. बीजेपी भले ही चुनावी मुकाबले के अपने प्रतिद्वन्द्वियों को पीछे छोड़ते हुए सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी हो, लेकिन बीजेपी को मिली सीटों की तादाद को ''400 पार'' या ''50 प्रतिशत से ज्यादा'' के वोटशेयर के पार्टी के घोषित लक्ष्य के आईने में देखना चाहिए. इससे भी बड़ी बात ये कि चुनाव के नतीजों को उनके राजनीतिक संदर्भ के भीतर परखना होगा कि कैसे धन-बल, मीडिया-बल और सरकारी मशीनरी ही नहीं बल्कि चुनाव आयोग तक का विपक्ष के खिलाफ दुरूपयोग किया गया.

ऊपर के तर्कों की एक संभावित काट बीजेपी को मिले वोटशेयर के सहारे की जा सकती है. बीजेपी के वोटशेयर में बड़ी हल्की सी कमी (37.4 प्रतिशत से घटकर 36.6 प्रतिशत) आयी है. ओडिशा में बीजेपी की नाटकीय ढंग से जीत हुई है, केरल में उसने अपना खाता खोला है और आंध्र प्रदेश तथा पंजाब में अपनी मौजूदगी को बेहतर किया है. अब इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि बीजेपी अखिल भारतीय विस्तार वाली पार्टी है और देश के तमाम राज्यों तथा संघशासित प्रदेशों में उसका वोटशेयर दहाई अंकों में है. बीजेपी के तरफदार इन्हीं तथ्यों के आधार पर अपनी पार्टी की जीत का दावा कर रहे हैं. लेकिन स्वतंत्र पर्यवेक्षक आगाह करते हैं कि हड़बड़ी में ढोल-नगाड़े बजाना ठीक नहीं क्योंकि बीजेपी की पकड़ कहीं ज्यादा मजबूत हुई है.राज्यवार वोटशेयर पर गहरी नजर डालने से पता चलता है कि कुछ इलाकों में सत्तापक्ष के घटने और कुछ इलाकों में बढ़त बनाने की बात सही नहीं है. दरअसल इस चुनाव का जनादेश सत्तापक्ष के विरूद्ध हैं. हां, यह बात जरूर है कि बीजेपी हर जगह सत्ता में नहीं है. आइए, आगे के सोच-विचार के लिए क्षण भर को ये मान लें कि दो अलग-अलग बीजेपी चुनाव मुकाबले के मैदान में थी – एक बीजेपी वह जो सत्ता में थी और एक बीजेपी वह जो सत्ता-पक्ष के खिलाफ मुकाबले के मैदान में खड़ी थी. जो बीजेपी सत्ता में थी उसे चुनावी मुकाबले में जोर का झटका लगा है लेकिन जो बीजेपी सत्ता-पक्ष के खिलाफ लड़ रही थी उसे बेहतर चुनावी परिणाम हासिल हुए हैं. इस बार राष्टीय स्तर पर बीजेपी के खिलाफ जो सत्ता-विरोधी जनादेश आया है उसकी सच्चाई को कुछ राज्यों में बीजेपी के पक्ष में गये सत्ता-विरोधी वोट के सहारे आंशिक रूप ढंका जा सकता है. राज्यों में हुई बीजेपी की जीत को भले आप ब्व्अंधे के हाथ बटेरब्लगने जैसा लकब ना दें लेकिन यह बात तय है कि वह ऐसी टिकाऊ जीत नहीं कि उसपर आगे के दिनों के लिए उम्मीदें पाली जा सकें.

देश के दो तिहाई हिस्से (ठीक-ठीक कहें तो 356 सीटों) पर राजनीतिक पार्टी के रूप में बीजेपी का दबदबा है भले ही वह इस हिस्से के किसी राज्य में सत्ता में हो या ना हो. यह इलाका महाराष्ट और गुजरात से शुरू होकर पूरब में बिहार और झारखंड तक विस्तृत है और इसमें कर्नाटक तथा हिमाचल प्रदेश जैसे राज्य भी शामिल हैं जहां फिलहाल बीजेपी सत्ता में नहीं है. सत्ताधारी बीजेपी को इन राज्यों में चुनावों में उसके चले आ रहे राजनीतिक एकाधिकार को तेज झटका लगा है, पिछले लोकसभा चुनाव में इन राज्यों में पार्टी की 271 सीटों पर जीत हुई थी और इस बार पार्टी इन 271 सीटों में 75 सीटें हार गई है. कर्नाटक से बिहार तक विस्तृत इस इलाके में हर जगह बीजेपी के खिलाफ औसतन 5 प्रतिशत वोटों का घुमाव हुआ है.लेकिन देश के शेष एक तिहाई हिस्से (187 सीट) में बीजेपी इस बार सत्ता-विरोधी ताकत के रूप में चुनावी मैदान में उतरी थी जहां उसका मुकाबला इलाके की सत्ताधारी पार्टी या फिर राजनीतिक दबदबे वाली पार्टी से था, जैसेङ्क ओड़िशा में बीजेडी से, आंध्रप्रदेश में वायएसआरसीपी से और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस से. चुनावी मुकाबले में सत्ता-पक्ष के खिलाफ उतरी इस बीजेपी ने केंद्र में सत्ताधारी बीजेपी के लिए लाज बचाने का काम किया है. बीजेपी ने इस इलाके में 2019 के लोकसभा चुनाव में हासिल अपनी सीटों की फेहरिश्त में 12 सीटों का इजाफा किया है. इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह कि इस इलाके में बीजेपी के पक्ष में औसतन छह प्रतिशत वोटों का घुमाव हुआ है और इसी कारण अखिल भारतीय स्तर पर देखने पर बीजेपी के वोटशेयर में महज एक प्रतिशत की कमी आई दिखायी पड़ रही है.बीजेपी का वोटशेयर उससे कहीं ज्यादा बदतर है जितना कि वह दिखायी दे रहा है. साल 2019 तथा 2024 में पार्टी जिन 399 सीटों पर चुनावी मैदान में थी उसमें 274 सीटों पर उसके वोटशेयर में कमी आयी है. इनमें महाराष्ट, राजस्थान, बिहार, झारखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब तथा जम्मू-कश्मीर की सारी सीटें तथा उत्तर प्रदेश की केवल दो को छोड़कर सभी सीटें शामिल हैं.बीजेपी की जीत के

अन्तर में भी तेज गिरावट आयी है. जिन सीटों पर बीजेपी की जीत 20 प्रतिशत या उससे ज्यादा मतों के अन्तर से हुई है उनकी संख्या पिछली 151 सीटों के मुकाबले घटकर 77 रह गई है.

जिन 215 सीटों पर बीजेपी का मुकाबला सीधे कांग्रेस से था मतलब जहां बीजेपी और कांग्रेस शीर्ष के दो स्थानों पर हैं, वहां बीजेपी के वोटों में हुए घुमाव को देखना इस सिलसिले में सोच-विचार के लिए उपयोगी हो सकता है. पिछली बार बीजेपी ने ऐसे सीधे मुकाबले वाली 90 प्रतिशत से ज्यादा सीटें 21 प्रतिशत से ज्यादा मतों के अन्तर से जीती थी. इस बार बीजेपी 153 सीटों पर जीती, 62 सीटों पर कांग्रेस की जीत हुई और बीजेपी की जीत का अन्तर घटकर औसतन 10 प्रतिशत मतों तक सिमट आया है. साल 2019 से तुलना करें तो बीजेपी के खिलाफ इन सीटों पर 5.5 प्रतिशत मतों का ॠणात्मक घुमाव हुआ जो पार्टी के लिए तगड़ा झटका है. अगर हम बीजेपी की सत्ता वाले राज्यों पर गौर करते हैं और पार्टी जिन सीटों पर इस बार चुनाव लड़ी उनमें हासिल वोटशेयर को नजर में रखते हैं तो पता चलता है कि वोटों का घुमाव बीजेपी के विरूद्ध हुआ है और ऐसा किसी एक राज्य तक सीमित नहीं बल्कि तालिका-2 में दर्ज तमाम राज्यों में हुआ है. राजस्थान (12 प्रतिशत), हरियाणा (12 प्रतिशत) तथा हिमाचल प्रदेश (13 प्रतिशत) जैसे राज्यों में बीजेपी के विरूद्ध वोटों का जोरदार घुमाव हुआ है– हर जगह दहाई अंकों में. चूंकि इन राज्यों में बीजेपी की प्रारंभिक बढ़त बहुत बड़ी थी, सो पार्टी के खिलाफ वोटों का घुमाव राजस्थान तथा हरियाणा (लेकिन हिमाचल नहीं) के कुछ इलाकों में संकेंद्रित रहा और पार्टी ने बड़ी संख्या में सीटें गंवायीं.यूपी में हुई बीजेपी की भारी हार यों तो इस चुनाव की सबसे बड़ी कहानी बनकर उभरी है लेकिन अपने आप में ये बात बड़ी दिलचस्प है कि उत्तर प्रदेश (6.8 प्रतिशत) सहित पड़ोसी राज्य बिहार (6.9 प्रतिशत) और झारखंड (7 प्रतिशत) में बीजेपी के विरूध वोटों का घुमाव लगभग समान रहा है. उत्तर प्रदेश में बीजेपी के हाथ में वोटशेयर अपेक्षाकृत कम था और उसका मुकाबला इस बार बड़ी चतुराई से बनाये राजनीतिक-सामाजिक गठजोड़ से हो रहा था. लेकिन बिहार में बीजेपी अगर सीटों के मामले में होने वाला नुकसान कम कर सकी तो इसलिए कि वह एक बड़ी बढ़त (23 प्रतिशत वोट) के साथ मैदान में मुकाबले में उतरी थी और एक व्यापक गठजोड़ कायम करने में भी सफल रही थी.

बीजेपी के वोटों में सबसे कम गिरावट कर्नाटक, असम, दिल्ली तथा उत्तराखंड में हुई है. इन सभी राज्यों में सत्ताधारी पार्टी अपनी ज्यादातर सीटों को बचाने में कामयाब रही, सिवाय कर्नाटक के जहां बीजेपी के विरूद्ध हुआ वोटों का घुमाव कुछ क्षेत्र विशेष में केंद्रित रहा और पार्टी को कई सीटें गंवानी पड़ी. सत्ताधारी बीजेपी के खिलाफ हुए वोटों के घुमाव की इस कहानी का एकमात्र अपवाद गुजरात, मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ हैं जहां विपक्ष इतना कमजोर था कि बीजेपी से कोई सीट ना झटक सका. जहां बीजेपी को हम सत्तापक्ष को चुनौती देने वाली ताकत के रूप में लड़ते देखते हैं वहां जाहिर हो जाता है कि भीतर ही भीतर धारा बीजेपी के पक्ष में बह रही थी. मिसाल के लिए, तेलंगाना में बीआरएस का अकस्मात ढह जाना और उससे मिली अप्रत्यक्ष सहायता के बूते बीजेपी ने अपने वोटशेयर में 15.7 फीसद की भारी-भरकम बढ़ोत्तरी की है और ओड़िशा में पार्टी को मिले 7 प्रतिशत अतिरिक्त वोटों ने सूबे में लोकसभा की सीटें एकमुश्त बटोर ले जाने में मदद की. केरल में 3 प्रतिशत वोटशेयर की अपेक्षाकृत कम मगर लगातार बढ़त ने पार्टी को लोकसभा की पहली सीट जीतने में कामयाबी दिलायी. तमिलनाडु और पंजाब में चूंकि बीजेपी मुख्य साझीदार को अपने साथ नहीं रख पायी सो उसे अपने पूर्व साझीदार के सामाजिक आधार को भी खोना पड़ा. चूंकि पार्टी इस बार ज्यादा सीटों पर लड़ी तो ऐसे में पार्टी का वोटशेयर भले बढ़ गया हो लेकिन जिन सीटों पर बीजेपी मुकाबले में उतरी वहां उसके वोटशेयर में किंचित कमी आयी. पश्चिम बंगाल इस रूझान का अपवाद प्रतीत होता है क्योंकि यहां बीजेपी सत्तापक्ष को चुनौती देने वाले रूप में थी लेकिन सूबे में उसके वोटशेयर में 1.3 प्रतिशत की कमी आयी है और इस तरह पार्टी विधानसभा के चुनावों में हुए नुकसान से उबरने में नाकाम रही. इस लोकसभा चुनाव का असल सवाल था ~क्या सियासी सत्ता-तंत्र पर इस बार जनता-जनार्दन अपनी सहमति की मुहर लगायेगा ? ऐसे में अजरज नहीं कि पूरा चुनाव बीजेपी के स्वघोषित लक्ष्य– चार सौ ज्यादा सीटें और 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट के इर्द-गिर्द घूमता रहा. यह एक ऐसा चुनाव था जिसमें चुनावों की घोषणा से पहले ही एक व्यापक दायरे में मान लिया गया था कि जीतना तो बीजेपी को ही है. कोई भी यह नहीं पूछ रहा था कि बीजेपी के खिलाफ खड़ी किसी सियासी ताकत को कितनी सीटें मिलेंगी या फिर बीजेपी के विरूद्ध लड़े रहे गठबंधन को ही कितनी सीटें हासिल होने जा रही हैं. ये सारे सवाल दोयम दर्जे के मान लिये गये थे, असल कहानी बन गया था – मोदी और उनकी पार्टी का बनाया सत्ता का चक्रव्यूह. भविष्य के लिए असल सवाल है ~बीजेपी का जो सत्ता-विरोधी रूप है वह सत्ताधारी बीजेपी को कितने दिनों तक बचाये रखता है ? चाहे समय के लिहाज से देखें या फिर देश के किसी हिस्से में विस्तार के हिसाब से– बीजेपी को हासिल निजात की यह राह ज्यादा देर और दूर तक टिकाये रख सकेगी, ऐसा नहीं जान पड़ता. ऐसे राज्यों की तादाद ज्यादा नहीं जहां बीजेपी को बढ़त बनाने की जगह हो और अभी जिस सत्ता-विरोधी रूप का बीजेपी को फायदा है वह ज्यादा देर तक कायम भी नहीं रह सकता. जल्दी ही सत्ताधारी बीजेपी को कोई राह खोजनी होगी कि वह उस दशा में ना पहुंचे जिस दशा में सत्ताधारी कांग्रेस को पहुंचना पड़ा और बीजेपी को ऐसी राह उस घड़ी तलाशनी है जब मोदी का जादू फीका पड़ रहा है. इस मामले में इस बार का चुनाव बीजेपी के लिए खास उम्मीदें नहीं जगाता.

साभार– द प्रिंट में प्रकाशित लेख के अंश

संतानों के दुर्व्यवहार व उत्पीड़न से जटिल होती वृद्धावस्था

■ ललित गर्ग

देश ही नहीं, दुनिया में वृद्धों के साथ दुर्व्यवहार, प्रताड़ना, हिंसा बड़ती जा रही है, जो जीवन को नरक बनाये हुए है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। यही पीड़ा वृद्धजन को पल-पल की घुटन, तनाव एवं उपेक्षा से निकलकर वृद्धाश्रम जाने के लिए विवश करती है। संतान द्वारा बुजुर्गों की आवश्यकताओं को पूरा न करना गरिमा के साथ स्वतंत्र जीवन जीने जैसे मानवाधिकारों का हनन है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बड़ते चलन ने इस स्थिति को नियंत्रण से बाहर कर दिया है। एक बड़ा प्रश्न है कि वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को किस तरह से रोकेड़ क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बड़ा दिया है। वृद्धों के जीवन से जुड़ी इस विकट समस्या के समाधान के लिये ही विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस हर साल 15 जून को मनाया जाता है। इस दिन की शुरुआत सबसे पहले 2011 में संयुक्त राष्ट महासभा द्वारा बुजुर्गों द्वारा अनुभव किए जाने वाले दुर्व्यवहार के बारे में जागरूकता बड़ाने के लिए की गई थी।

संयुक्त राष्ट के अनुसार, बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार को 'एकल, या बार-बार की गई हरकत, या उचित कार्रवाई की कमी के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जो किसी भी रिश्ते में घटित होती है, जहाँ विश्वास की उम्मीद होती है, जो किसी बुजुर्ग व्यक्ति को नुकसान या परेशानी पहुँचाती है'। यह एक वैश्विक सामाजिक एवं पारिवारिक मुद्दा है जो दुनिया भर में लाखों बुजुर्गों के स्वास्थ्य और मानवाधिकारों को प्रभावित करता है और एक ऐसा मुद्दा है जिस पर अंतर्राष्टीय समुदाय को ध्यान देने की आवश्यकता है। विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस 2024 की थीम 'सभी पहचानों की बुजुर्ग पीड़ितों के लिए सम्मान, सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता देना' है। याद रखें, बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार को रोकने में छोटी-छोटी कदम भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन लोगों की आवाज बनें जो खुद के लिए बोलने में सक्षम नहीं हैं, दूसरों को शिक्षित करें और बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए काम करने वाले संगठनों का समर्थन करें। साथ मिलकर, हम एक ऐसी दुनिया बना सकते हैं जहाँ हर बुजुर्ग अपने बुड़ापे को गरिमा, आत्मसम्मान, सुरक्षा और स्वस्थता के साथ जी सके।

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस एक प्रयोजनात्मक अवसर एवं उत्सव है। यह दिन उन तरीकों को खोजने के लिए भी मनाया जाता है कि कैसे समाज में बुजुर्ग लोगों की उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं उनके प्रति बरती जा रही उदासीनता की त्रासदी से उन्हें मुक्ति देकर उन्हें सुरक्षा कवच मानने की सोच को विकसित किया जाये ताकि वृद्धों के स्वास्थ्य, निष्कंटक एवं कुंठारहित जीवन को प्रबंधित किया जा सकता है। वृद्धों को बंधन नहीं,

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस

आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीड़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बड़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूड़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार का कारण क्या हैड़ वृद्ध व्यक्ति अक्सर गतिशीलता संबंधी समस्याओं, पुरानी स्वास्थ्य स्थितियों या सामाजिक अलगाव का सामना करते हैं। इसके अतिरिक्त, आपात स्थितियों का तनाव और अराजकता शारीरिक, भावनात्मक, वित्तीय या उपेक्षा सहित बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार के जोखिम को बड़ा सकती है। आपातकालीन स्थितियों में वृद्ध व्यक्तियों द्वारा सामना की जाने वाली विशिष्ट चुनौतियों के बारे में जागरूकता बड़ाकर, हम अधिक समावेशी और सुरक्षात्मक वातावरण को बड़ावा दे सकते हैं।

बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार एक ऐसी वैश्विक समस्या है जो विकासशील और विकसित दोनों देशों में मौजूद है, हालाँकि बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार की सीमा अज्ञात है, लेकिन इसका सामाजिक और नैतिक महत्व स्पष्ट है। नये विश्व की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं महिला वृद्ध एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति है कि वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सृसंस्कृत परिवार परम्परा पर काला दाग है। हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्धों की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलानी होगी। इसके लिये आज विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति एवं परिवार-क्रांति की जरूरत है।

हमारा भारत तो बुजुर्गों को भगवान के रूप में मानता है। इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण है कि माता-पिता की आज्ञा से भगवान श्रीराम जैसे अवतारी पुरुषों ने राजपाट त्याग कर वनों में विचरण किया, मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार ने अपने अन्धे माता-पिता को काँवड़ में बैठाकर चारधाम की यात्रा कराई। फिर क्यों आधुनिक समाज में वृद्ध माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बड़ती जा रही है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्ध समाज इतना कुंठित एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल को वास्तविक रूप में अमृतमय बना सके। संयुक्त राष्ट ने विश्व में बुजुर्गों के प्रति हो रहे दुर्व्यवहार और अन्याय को समाप्त करने के लिए अंतरराष्टीय स्तर पर सक्रिय है। बड़े बूड़ों के साथ दुर्व्यवहार देखकर लगता है जैसे हमारे संस्कार ही मर गए हैं। बुजुर्गों के साथ होने वाले अन्याय के पीछे एक मुख्य वजह सामाजिक प्रतिष्ठा मानी जाती है। तथाकथित व्यक्तिवादी एवं सुविधावादी सोच ने समाज की संरचना को बदसूरत बना दिया है। आज बन रहा समाज का सच डरावना एवं संवेदनहीन है। आदमी जीवनमूल्यों को खोकर आखिर कब तक धैर्य रखेगा और क्यों रखेगा जब जीवन के आसपास सबकुछ बिखरता हो, खोता हो, मिटता हो और संवेदनाशून्य होता हो। संवेदनशून्य समाज में इन दिनों कई ऐसी घटनाएं प्रकाश में आई हैं, जब संपत्ति मोह में वृद्धों की हत्या कर दी गई। ऐसे में स्वार्थ का यह नंगा खेल स्वयं अपनों से होता देखकर वृद्धजनों को किन मानसिक आघातों से गुजरना पड़ता होगा, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। वृद्धावस्था मानसिक व्यथा के साथ सिर्फ सहानुभूति की आशा जोहती रह जाती है। इसके पीछे मनोवैज्ञानिक परिस्थितियां काम करती हैं। वृद्धजन अव्यवस्था के बोझ और शारीरिक अक्षमता के दौर में अपने अकेलेपन से जूझना चाहते हैं पर इनकी सक्रियता का स्वागत समाज या परिवार नहीं करता और न करना चाहता है।

– साभार

शब्द भी क्या चीज है .
महके तो लगाव
और बहके तो घाव

आज का इतिहास

- 1634 रूस और पोलैंड के बीच पोलियानोव शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये गये।
- 1658 ब्रिटिश और फ्रांसीसी सेनाओं ने ड्यून्स की लड़ाई में स्पेन को हराया।
- 1775 अमेरिकी सेना की स्थापना हुई।
- 1777 अमेरिकियों ने फिलाडेल्फिया कांग्रेस में अपना झंडा अपनाया।
- 1816 दक्षिण अफ्रीका में केप कॉलोनी पर शासन कर रहे यूनाइटेड किंगडम ने ट्रिस्टन दा कुन्हार्टिएप्लागो को औपचारिक रूप से रद्द कर दिया।
- 1872 कनाडा में ट्रेड यूनियनों को वैधानिक मान्यता दी गई।
- 1880 कोलोन कैथेड्रल का निर्माण - जो जर्मनी में सबसे अधिक देखा जाने वाला कैथेड्रल था - शुरू होने के 632 वर्ष बाद पूरा हुआ।
- 1888 अंग्रेजी संगीतकार आर्थर सुलिवान की द लॉस्टचाइड की एक रिकॉर्डिंग, जो लंदन में थॉमस एडिसन के एपोनोग्राफ के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हुई
- 1900 रैहस्टाग ने एक नये कानून को मंजूरी दी, जिससे इंपीरियल जर्मन नौसेना के विस्तार की अनुमति मिल गयी।

बाढ़ संभावित निचली बस्तियों का निरीक्षण

अधिकारियों को अतिवर्षा की स्थिति में आवश्यक तैयारी करने के निर्देश

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

मानसून समीप है, ऐसे में शहर की कुछ निचली बस्तियों में जल भराव का इतिहास को देखते हुए प्रशासन पूर्व तैयारियों में जुटा है। प्रशासन ने उन क्षेत्रों का निरीक्षण किया जहां से जलभराव की संभावना होती है, इसे कैसे रोका जाए, इसकी योजना तैयार करने एक बैठक भी आयोजित की गई। एसडीएम टी प्रतीक राव और मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती ऋतु मेहरा ने बाढ़ संभावित क्षेत्र का दौरा करके जहां से पानी आकर बाढ़ की स्थिति निर्मित करता है या जहां जलभराव होता है, ऐसे क्षेत्र देखे। अधिकारी सीपीई गेट के पास, घाटली रपटा, गोंडी मोहल्ला और अवाम नगर पहुंचे तथा वहां देखा कि कैसे इन क्षेत्रों में लोगों को बाढ़ से बचाव करके राहत दी जा सकती है। नगर के ऐसे क्षेत्रों का निरीक्षण करने के बाद एसडीएम कार्यलय में एक बैठक भी आयोजित की गई जिसमें जनपद पंचायत केसला के सीईओ सहित एसडीएम टी प्रतीक राव, तहसीलदार सुनीता साहना, शासकीय अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आरके चौधरी, तवा परियोजना के अधिकारी शामिल हुए। सभी को अति वर्षा की स्थिति में आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए गए और अभी तक की तैयारियों एवं बचाव की तैयारी की जानकारी ली गई।

सांसद ने किया पौधारोपण, किसान जैविक खेती को बढ़ावा दें

छोटे तालाब बनाकर पौधारोपण प्राथमिकता से करें: सांसद चौधरी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने जिले के किसान संगठन के पदाधिकारी से कहा कि वह नई उर्वरक एनपीके को बढ़ावा देने के लिए, एनपीके की उपयोगिता की समझाइए किसानों तक पहुंचाएं। किसानों को एनपीके की जानकारी दे। श्री चौधरी ने कहा कि इस वर्ष डीएपी मिलने में दिक्कत होगी तो सभी किसान डीएपी के विकल्प के रूप में एनपीके का उपयोग अपने खेतों में करें। श्री चौधरी ने किसान संगठनों से कहा कि वह स्वयं और खुद आगे आकर किसानों को छोटे तालाबों का महत्व समझा कर छोटे-छोटे तालाब बनाएं, छोटे तालाब जल स्रोत के बहुत बड़े वाहक होते हैं। उन्होंने कहा कि पौधारोपण को भी बढ़ावा दिया जाए। जगह-जगह तालाब के किनारे, मेढ़ में एवं अन्य जगहों पर अनिवार्य रूप से पौधारोपण किया जाए। सांसद ने कहा कि सभी किसान अपनी क्षमता अनुसार 2 से ढाई एकड़ के खेत में जैविक खेती करें। खेतों में कीटनाशकों का प्रयोग बिल्कुल ना करें। साथ ही नरवाई भी ना जलाएं। प्राकृतिक खेती समय की आवश्यकता है इसलिए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दें। सभी किसान संकल्प लें कि वे जैविक खेती करके पौधारोपण को बढ़ावा देंगे।

उल्लेखनीय है कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में डीएपी की जगह एनपीके को बढ़ावा देने के लिए किसान संगठनों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने बताया कि किसान डीएपी के विकल्प के रूप में एनपीके का उपयोग करें, उन्होंने सभी किसान संगठनों से कहा कि वह इस उर्वरक की जानकारी सभी को किसानों को दे। इस बात की जानकारी सभी किसानों तक पहुंचाएं।

कलेक्टर ने कहा कि जब भी हम कुछ नया प्रयोग करते हैं तो कुछ परेशानी होती है लेकिन एनपीके पूरी तरह परखा हुआ उर्वरक है। बैठक के बाद सांसद ने विभिन्न प्रजातियों के पौधों का किया रोपण किया।

सांसद, विधायक और नपाअध्यक्ष ने बस स्टैंड पर लगाए नीम के पौधे

इटारसी। नवनिर्वाचित सांसद दर्शन सिंह चौधरी के प्रथम नगर आगमन पर नगरपालिका परिषद इटारसी द्वारा उनके हाथों से छत्रपति शिवाजी महाराज बस स्टैंड पुरानी इटारसी पर पौधरोपण कराया गया। पौधरोपण के दौरान विधायक डॉ सीतासरन शर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे सहित बडी संख?या में भाजपा कार्यकर्ता व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

घनी छावं के लिए नीम के 10 पौधे ट्री गार्ड सहित लगाए गए

यहां मीडिया से चर्चा करते हुए सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि 20 वर्ष पहले की इटारसी और आज की इटारसी की तुलना करें तो यह बदलाव विधायक डॉ सीतासरन शर्मा के कारण आया है, यहां उनके द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्य सराहनीय हैं उन्होंने नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे के कार्यों की भी सराहना की। विधायक डॉ सीतासरन शर्मा ने कहा कि इस वर्ष वाटर हार्वेस्टिंग पर तेजी से काम किया जा रहा है, पौधरोपण भी काम किया जाएगा। सीएमओ रितु मेहरा ने कहा कि शहर में पौधरोपण बडी संख्या में होगा, यहां बस स्टैंड पर भी पौधों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे मौजूद हैं।

सांसद ने किया रूफ वाटर हार्वेस्टिंग व कूप सुदृढ़ीकरण का भूमिपूजन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

विधान सभा क्षेत्र सिवनी मालवा के सांवलखेड़ा एवं डोलरिया ग्राम में नव निर्वाचित सांसद दर्शन सिंह चौधरी एवं क्षेत्रीय विधायक प्रेमशंकर वर्मा के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत पंचायत भवन सांवलखेड़ा में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग व कूप सुदृढ़ीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। सांसद निर्वाचित होने के बाद प्रथम आगमन पर सभी ग्रामवासियों ने श्री चौधरी का स्वागत किया। इसके बाद डोलरिया में खेड़ापति मंदिर तालाब के पास वृक्षारोपण कार्य किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष भूपेन्द्र चौकसे, जिला पंचायत सदस्य शिवा राजपूत, सीइओ हेमंत सूत्रकार, नीति राज पटैल, योगेन्द्र सिंह राजपूत, दीपेन्द्र सिंह राजपूत, रघुवीर राजपूत, ओम रघुवंशी, अनिल बुंदेला, सत?यनारायण परिहार, सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बकरीद पर्व को लेकर शांति समिति की हुई बैठक, एसडीओपी ने की शांतिपूर्ण, भाईचारे से मनाने की अपील

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

बकरीद त्यौहार को लेकर जनपद पंचायत के सभागार में एसडीओपी राजू रजक के द्वारा बीते रोज 2 बजे शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और नगर के गणमान्य लोग शामिल हुए। बैठक में एसडीओपी ने जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोगों से बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और भाईचारे के माहौल में मनाने की अपील की। थाना क्षेत्र के सभी संवेदनशील जगहों पर बकरीद पर्व को लेकर पुलिस बल तैनात किया जाएगा। पूरे क्षेत्र में पुलिस गश्ती भी जारी रहेगी।

असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी जाएगी। ऐसे में अधिकारियों ने अपील की कि कही भी कोई अफवाह फैले तो इसकी तुरंत सूचना प्रशासन को देने के लिए कहा। इस दौरान नगर की बड़ी मस्जिद सदर शेख साजिद ने प्रशासन से मांग की है कि बकरीद पर सुबह 6 बजे से नलों में जल प्रदाय किया जाए। नगर पालिका का कचरा वाहन सुबह के साथ शाम को भी ईद के दिन भेजी जाए। जिससे की घरों से निकलने वाले अवशिष्ट पदार्थों को कचरा वाहन में डाला जा सकें। उन्होंने बिजली विभाग से भी मांग की है कि बकरीद के दिन सुबह से बिजली कटौती नहीं की जाए।इस दौरान थाना प्रभारी उषा मरावी ने बताया कि प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी बकरीद का त्योहार मनाया जाएगा। जिसको लेकर पुलिस प्रशासन ने बैठक का आयोजन नगर के जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोगों से बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और भाईचारे के माहौल में मनाने की अपील की।

खेत में सब्जी के साथ उगा रहे थे गांजा, 152 पौधे जप्त, किसानों पर लगा अर्थदंड

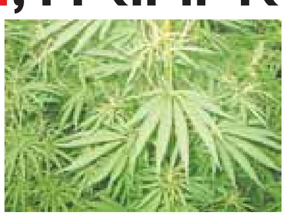

नर्मदापुरम। सब्जी के पौधों के बीच में गांजे के पौधों को उगाने वाले किसानों को कानून विरोधी काम करने का फल भुगतना पड़ा. न्यायालय द्वारा उन्हें कारावास की सजा के साथ-साथ जुर्माना से दंडित किया गया है.प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यायालय विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट जिला के न्यायालय द्वारा आरोपीआधार सिंह एवं उसके लडके अभिषेक को एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 में 3-3 वर्ष का सश्रम कारावास एवं प्रत्येक को 5000-5000 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया जुर्माना अदा न करने पर व्यतिक्रम में अतिरिक्त रूप 5-5 माह का समश्र कारावास भुगताया जावेगा। बताया जाता है कि दिनांक 07.04.2019 को थाना सोहागपुर के उपनिरीक्षक आकाश दीप को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम झिरमटा में आधार सिंह एवं अभिषेक पुर्विया अपने खेत की झोपड़ी के पास लगे भटे और टमाटर के पौधों के साथ गांजे के पौधे भी लगा रखे है। मुखबिर सूचना पर पुलिस स्वतंत्र गवाहों को लेकर मौके पर गए और मौके पर आरोपी अभिषेक मिला जिसे कानूनी प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी और उपनिरीक्षक आकाश दीप के द्वारा खेत की तलाशी की गयी, तलाशी के दौरान खेत की मेंढ के किनारे खेत में भटे एवं टमाटर के पौधों के साथ गांजे के पौधें पाए गए, जिसकी पहचान की कार्यवाही की गयी। छोटे- बड़े कुल 152 नग गांजे के पौधें पाए गए, जिनकी जप्ती की कार्यवाही की गयी और आरोपीगण की गिरफ्तारी की कार्यवाही की गयी। प्रकरण की संपूर्ण विवेचना उपनिरीक्षक आकाश दीप के द्वारा की गयी।

नपा अध्यक्ष ने किया औचक निरीक्षण, 5 इंजीनियर सहित 18 कर्मचारी मिले गायब

इटारसी। नगरपालिका परिषद अध्यक्ष पंकज चौरे ने शुक्रवार को दोपहर 3 बजे नगरपालिका कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान यहां पर 18 अधिकारी कर्मचारी कार्यालय से अनुपस्थित मिले। जिस पर नगरपालिका अध्यक्ष श्री चौरे ने सभी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। अनुपस्थित अधिकारी कर्मचारियों में 5 इंजीनियर सहित अन्य हैं। नगरपालिका अध्यक्ष चौरे ने बताया कि लगातार शिकायत मिल रही थी कि कार्यालय खाली रहता है, जिससे यहां आने वाले नागरिकों को परेशानी हो रही थी। चौरे ने बताया कि तीन दिन का समय दिया गया है सभी को अनुपस्थित रहने का कारण बताना होगा। वैध कारण नहीं बताने पर एक दिन का वेतन काटने की कार्रवाई की जाएगी।

इन्हें नोटिस हुए जारी – मीनाक्षी चौधरी, सहायक यंत्री आदित्य पाण्डेय, उपयंत्री,सोनिका अग्रवाल उपयंत्री,मुकेश जैन उपयंत्री, सुरेन्द्र रावत उपयंत्री, राजेन्द्र मालवीय सहायक ग्रेड 3,खुमान सेन, सहायक ग्रेड 3, अनुराग रावत कम्प्यूटर ऑपरेटर, रामकिशन कोरी, सहायक ग्रेड 3, दीपिका सिलावट, राजेश श्री ।वास्तव, स्थाईकर्मी, प्रेमसखी कूपर, स्थाईकर्मी, प्रशांत दुबे,विनोद पगारे, स्थाईकर्मी ,रोहित कलोशिया, सहायक ग्रेड 03,मधुर पागे लिपिक, प्रमोद माधव सहा. राज. निरीक्षक,शुभम् भारद्वाज कम्प्यूटर आपरेटर।

नर्मदा कॉलेज में कैरियर परामर्श पर वेबिनार

विद्यार्थियों की क्षमता और कौशल के आधार पर कैरियर बनाने पर मंथन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार ÷उच्च शिक्षा में कैरियर परामर्श एवं प्रेरकीकरण का महत्व÷ विषय पर नर्मदा कॉलेज में ,वेबीनार का आयोजन किया गया।

प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि कैरियर काउंसलिंग एक व्यापक कार्यक्रम है जिसे शैक्षिक और व्यावसायिक विकल्पों के लिए डिजाइन किया गया है जो परामर्श द्वारा व्यक्तियों के कैरियर नियोजन और क्षमताओं को विकसित करता है। उन्होंने वर्तमान में इसकी आवश्यकता जाहिर की। डॉ कमल वाधवा ने विषय प्रवर्तन करते हुए बताया कि कैरियर परामर्श का उद्देश्य युवाओं को ज्ञान कौशल और अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करना है। जिसमें मनोवैज्ञानिक स्तर पर आत्म मूल्यांकन, निर्णय लेने और केयर नियोजन जैसी विशिष्ट योग्यताओं को विकसित करना प्रमुख है। मुख्य वक्ता डॉ धीरेंद्र शुक्ल ने कहा कि जब कोई अपने कार्य में मदद चाहता है संदेह और अनिश्चितताओं के दौर से घिरा होता है ऐसे में कैरियर परामर्श उन्हें बुद्धिमान निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाता है उनकी रुचि, दक्षता, मूल्य और आकांक्षाओं को समझने, सार्थक विकल्प चुनने का मंच तैयार करता है। नौकरी, व्यवसाय और स्वरोजगार में विकल्पों की श्रृंखला के माध्यम से लोगों को उनके लक्ष्यों के प्रति इंगित करता है।

विषय विशेषज्ञ डॉ ह्रदयकांत दीवान -ने कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि विद्यार्थियों को प्रेरणा दी जाए और उन्हें उनके भविष्य की ओर ले जाया जाए । दक्षता को बढ़ाने के लिए भी बहुत।डॉ संजय सिंह विशिष्ट उद्बोधन में बताते हैं कि कैरियर में प्लानिंग भी जरूरी है और वह कैरियर काउंसलिंग से ही संभव है। हमें सबसे पहले अपने नॉलेज को बढ़ाना चाहिए ।

डॉ रवि उपाध्याय ने आभार जताया । वेबिनार में आह्वान किया गया कि शोधार्थी,विद्यार्थी अपने विचार लिखकर अपने विभाग में दे सकते हैं। डा हंसा व्यास कार्यक्रम की समन्वयक रहीं। तकनीकी सहयोग डा मीना कीर का रहा।

मेट्रो एंकर

नल जल योजना की जल कर की वसूली करेंगी समूह की महिलाएं

जल जीवन मिशन : ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित की गई नल जल योजनाओं को स्वसहायता समूह की महिलाएं चलाएंगी

नर्मदापुरम/ सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो।

जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्राम पंचायतों में प्रत्येक घरों में नल कनेक्शन दिये गये हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रकी विभाग द्वारा निर्माण कराकर ग्राम पंचायत को योजना हस्तांतरित की जाती है। जनपद पंचायत नर्मदापुरम अंतर्गत 30 योजनायें जो पूर्ण हो चुकी हैं या पूर्णता की ओर हैं ऐसी ग्राम पंचायतों के सरपंच सचिव एवं समूह की महिलाओं का प्रशिक्ष जिला पंचायत के सभागृह में संपन्न हुई बैठक में ग्राम पंचायत को हस्तांतरित कर दी गई अथवा निकट भविष्य में हस्तांतरित की जाने वाली योजनाओं के सुचारू संचालन, जल कर वसूली के उत्तरदायित्व के निर्वहन हेतु इच्छुक/ चिन्हित स्व सहायता समूहों के द्वारा किया जायेगा। प्रशिक्षण के दौरान जल की शुद्धता व गुणवत्ता मापन के तरीकों के बारे में भी लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के विशेषज्ञों के द्वारा जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में जिला पंचायत से परियोजना अधिकारी योगेन्द्र राय, सीईओ जनपद पंचातय हेमंत सूत्रकार, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से उपयंत्री अनिल शर्मा, शिफा अंजुम सहित 30 ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, स्व सहायता समूह की महिलायें एवं पंप आपरेटर सम्मिलित हुये ।

सिवनी मालवा जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में प्रत्येक घरों में नल कनेक्शन दिये गये हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रकी विभाग द्वारा निर्माण कराकर ग्राम पंचायत को योजना हस्तांतरित की जाती है। कई ग्रामपंचायत यह योजना पंचायत के हैंडोवर कर दी गई है बैठक में ग्राम पंचायत को हस्तांतरित कर दी गई अथवा निकट भविष्य में हस्तांतरित की जाने वाली योजनाओं के सुचारू संचालन, जल कर वसूली के उत्तरदायित्व के निर्वहन हेतु इच्छुक/ चिन्हित स्व सहायता समूहों के द्वारा किया जायेगा।

खरीफ फसलों की तैयारी में जुटे किसान, जमीन को कर रहे तैयार

बिजली कंपनी की लापरवाही से धान की पौध हो रही खराब

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

हर साल सोयाबीन की फसल किसी ना किसी कारण से प्रभावित हो रही है कभी बारिश ज्यादा होने पर फसल में नुकसान हो रहा इसके चलते किसान इस बार धान की फसल ज्यादा क्षेत्र में लगाने की तैयारी में जुटे हुए है। धान के क्षेत्रफल में भी वृद्धि होगी इसके पीछे किसानों का रुझान है की बरसात अधिक और कम होने पर भी धान की फसल आ जाती है जबकि सोयाबीन की फसल नहीं आती है धान से जमीन भी खराब नहीं होती और सोयाबीन से जमीन भी खराब हो रही है। इसी बीच बिजली वितरण कंपनी जरूर किसाने की परेशानी बढ़ा रही है धान की पौध पर्याप्त बिजली नहीं मिलने के कारण खराब हो रही है किसने की शिकायत के बाद भी कंपनी के जिम्मेदारी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

मानसून हुआ लेट

मानसून की दस्तक भले ही 18 से 20 जून के बाद बताई जा रही है लेकिन प्री-मानसून की आहट को देखते हुए किसान अब खेतों में फिर से जुट गए हैं। रवी फसल के बाद अब खरीफ फसलों का समय आ चुका है। अब मानसून की वर्षा का ज्यादा समय नही बचा है इसलिए खेतों की साफ-सफाई कर उसमें गोबर खाद सहित अन्य रासायनिक उर्वरक डाल रहे हैं। वहीं दूसरी ओर इसके साथ ही सोसाइटियों से खाद का अग्रिम उठाव कर गोदामों में रख रहे है। मानसून आते ही किसानी कार्य में तेजी आ जाएगी। इस वर्ष मौसम विभाग के अनुसार अच्छी वर्षा के संकेत भी दिए गए हैं। इसके चलते किसान अपनी खरीफ फसल की तैयारी में पूरी तरह जुट चुके हैं। इन दिनों किसान खेतों की जुताई, समतलीकरण के साथ-साथ खेतों की सफाई करने में लगे हुए है। कई किसानों ने अपने खेतों की जुताई कर उसे छोड दिया हैं, ताकि खेतों में रहने वाले जीवाणु मर सकें। कई किसान खेतों की उर्वरता को बरकरार रखने गोबर खाद डाल रहे हैं। खरीफ की बुआई करीब 51 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में होती है, लेकिन इस बार धान की खेती अधिक करने का अनुमान है। वहीं कृषि विभाग के अनुसार धान की खेती पिछली बार एक हजार हेक्टेयर में की गई थी, लेकिन इस बार 3 हजार हेक्टेयर से अधिक जमीन में धान की खेती करने का अनुमान है। जिससे साफ पता चलता है कि धीरे-धीरे किसान सोयाबीन की फसल से मोहभंग कर धान की खेती की तरफ अपने कदम बड़ाने लगे हैं। यही कारण है कि धान की खेती का रकवा हर वर्ष बढ़ता ही जा रहा है। वहीं किसानों का कहना है कि खरीफ की फसलों की तैयारी के लिए खाद्य के साथ उर्वरकों का उपयोग भी बडी मात्रा में होता है, जिसका फायदा उठाकर कुछ दुकानदार कृषि विभाग के अधिकारियों की नजर बचाकर नकली उर्वरक बेच देते हैं, जिसका सीधा नुकसान किसान एवं फसल को होता है। इसलिए इस बार कृषि विभाग को कीटनाशक संचालकों की दुकानों पर पूर्व से कार्रवाई कर जांच पड़ताल करनी चाहिए।

बिजली कटौती से धान की पौध हो रही खराब

किसानों का कहना है कि खेतों में धान की पौध की लगाई गई है इस पौध को पानी की अधिक आवश्यकता होती है। जिसके लिए किसान एक-दो दिन में गढ़ों में पानी भरने की जरूरत पड़ती है। लेकिन बिजली कंपनी के अधिकारियों की लापरवाही के कारण हर दिन बिजली कटौती किसानों के लिए मुसीबत बनती जा रही है। क्षेत्र के किसानों का आरोप है कि लगातार बिजली की कटौती किसानों के लिए मुसीबत बन रही है। बगरोदा के किसान दीपेश शर्मा का कहना है कि हमने धान के लिए अभी पौध लगाई है, लेकिन बिजली नहीं मिलने के कारण खराब होने की स्थिति में आ गई थी जिसके लिए आज हमने अल्टीलेटर से पानी की पूर्ति की है। जबकि सरकार किसानों के लिए लगातार सुविधा उपलब्ध करा रही है लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण किसानों को सुविधा नहीं मिल पा रही यही कारण है कि शासन की योजनाओं के बावजूद भी अधिक खर्च किसानों को करना पड़ रहा है।

किसानों ने लगाई धान की पौध

किसानों ने धान की पौध खेतों में गढ़ा बनाकर लगा दी है लेकिन इसकी रोपाई मैं अभी समय है। पौध तैयार होने में करीब 1 महीने का समय लगेगा और तैयार होने के बाद इसे किसानों द्वारा बनाए गए अन्य गढ़ों में मजदूरों की सहायता से लगाया जाएगा। धान की रोपाई करते समय किसानों को विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। किसान खेत में 5-6 सेंटीमीटर से अधिक गहरा पानी न लगाएं। 2-3 सेंटीमीटर से अधिक गहराई पर रोपाई न करें। अधिक गहराई में रोपाई होने से सही ग्रोथ नहीं होती। धान की रोपाई करने के बाद कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार खाद और दवाइयों का प्रयोग करें। कृषि विभाग के एसएडीओ वीरेंद्र मालवीय ने बताया कि धान की रोपाई के बाद किसानों को सबसे ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत है। धान फसल की कीट, पतंग और अन्य बीमारियों से रक्षा करनी है। इसके लिए वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार संतुलित कीटनाशकों इस्तेमाल करें। धान के खेतों की नियमित देख-रेख बहुत जरूरी है। समय समय पर निराई-गुड़ाई करते रहें। धान की ग्रोथ के अनुसार पानी का स्तर बनाए रखें।

इनका कहना है-

इस बार धान के राकवे में वृद्धि होगी क्योंकि ज्यादा क्षेत्र में किसान धान लग रहे हैं। यह फसल बारिश कम ज्यादा होने पर भी आ जाती है। इस बार किसान सोयवीन फसल ज्यादा दिनों में आने वाली लगे तो अच्छा होगा।

वीरेंद्र मालवीय, *कृषि विस्तार अधिकारी सिरोंज*

मलेरिया रथ को डॉक्टरों द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सिरोंज । जिला विदिशा से आए मलेरिया रथ को डॉक्टरों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया । मलेरिया रथ को शहर के हाट बाजार शहर के अनेक वार्डों में रथके माध्यम से मलेरिया बचाव संबंधी उपायों का प्रचार प्रसार किया गया मलेरिया से बचाव की जानकारी दी गई। इस दौरान जिला मलेरिया कार्यालय से आए विनोद शर्मा मोहसिन खांन जेडी शाक्य आशा सुपरवाइजर आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान के प्रशिक्षण वर्ग में नए दायित्वों की घोषणा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से सम्बद्ध स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वाबलंबी भारत अभियान के मध्य भारत का दो दिवसीय प्रांतीय विचार एवं प्रशिक्षण वर्ग विदिशा में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय से संगठन सतीश कुमार, क्षेत्र संयोजक सुधीर दाते प्रांत कार्यवाह हेमंत सेठिया, स्वदेशी मेला अखिल भारतीय सह प्रमुख साकेत सिंह राठौड़ की गरिमामय मौजूदगी में प्रांत संयोजक श्रीकांत बुधौलिया ने स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान में कार्य कर रहे कार्यकर्ताओं को नए दायित्वों की घोषणा करते हुए नई जिम्मेदारी सौंपी है। जिसमें सिरोंज तहसील के स्वावलंबी भारत अभियान के तहसील समन्वयक चरण सिंह रघुवंशी को स्वावलंबी भारत अभियान में जिला सह समन्वयक का दायित्व सौंपा है, तो वही सिरोंज तहसील के सहसमन्वय प्रमोद रघुवंशी को जिला प्रचार प्रमुख का दायित्व दिया गया है।

इस दौरान लगातार उद्यमिता, स्वरोजगार एवं स्वदेशी के क्षेत्र में कार्य कर रहे अन्य कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारीयां दी गई हैं। इस घोषणा से जिले तमाम स्वदेशी विचारधारा के नागरिकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी एवं संगठन के वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर स्वदेशी मेला मध्य प्रदेश के प्रमुख रमनवीर सिंह अरोड़ा, क्षेत्र के कोष प्रमुख आर पी माहेश्वरी, प्रांत सह संयोजक राकेश शर्मा, क्षेत्र संगठक केशव दुबौलिया, चार विभाग पूर्णकालिक तरुण यादव, जिला पूर्णकाली के अंकित पाठक सहित जिले के अन्य सामाजिक कार्यकर्ता मुख्य रूप से मौजुद रहे। वही इस मध्य भारत प्रांत के 14 जिलों के मातृशक्ति सहित 150 कार्यकर्ताओ ने वर्ग शामिल होकर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

नपा सफाई कर्मचारी का हार्ट अटैक से निधन

सिरोंज। नगर पालिका सिरोंज कर्मचारी मुनालाल फतरोल का बजरिया मे अपना सफाई कार्य के दौरान हार्ट अटैक से दुखद निधन हो गया है। जानकारी लगते ही नगर पालिक द्वारा मृत कर्मचारि की पत्नी को सहयता राशि उपलब्ध कराई। जिसमें उपस्थित अध्यक्ष मनमोहन साहू, सीएमओ पवन शर्मा, एचओ उपस्थित रहे ।

जन शिक्षकों की एसडीएम ने ली बैठक, भौतिक व नैतिक शिक्षा पर भी दें ध्यान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सरकारी स्कूलों के ढरे में परिवर्तन लाने के लिए एसडीएम ने बैठक लेकर दिशा निर्देश दिए हैं इनके द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का कितना धरातल पालन होगा इसका पता तो आने वाले समय में ही चलेगा शुक्रवार को नवीन शिक्षा सत्र प्रारंभ होने से पहले शिक्षा के स्तर में परिवर्तन लाने के एसडीएम हर्षल चौधरी ने शिक्षा विभाग के महकमे की बैठक लेते हुए कहा कि सभी शालाएं समय पर खुले हैं और निर्धारित समय के बाद ही बंद हो शिक्षकों की उपस्थिति सत प्रतिशत होनी चाहिए स्कूलों में पढ़ाई पर विशेष ध्यान दिया जाए बच्चों का शैक्षिक स्तर बढ़ना चाहिए उसके लिए सभी लोग मिलकर अपनी अपनी शालाओं में विशेष प्रयास करें नियमित रूप से मध्यान भोजन का वितरण हो बच्चों की उपस्थिति भी हो अच्छी शिक्षा देने का कार्य भी होना चाहिए पिछले वर्ष की जो कमियां है उसमें सुधार करते हुए इस बार शिक्षा के स्तर में बड़ा बदलाव हो ऐसा संकल्प लेकर शिक्षक काम करें साथ इन्होंने कहा कि भौतिक शिक्षा के साथ नैतिक शिक्षा का भी ध्यान रखें बच्चों को सामाजिक ज्ञान व छोटे बड़ों का मान सम्मान किस तरह से उनको बातचीत करना चाहिए उस पर भी विशेष रूप से ध्यान दें। लापरवाही करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी निगरानी करने के लिए इस बार अधिकारियों के द्वारा भी सभी शालाओं का औचक निरीक्षण भी किया जाएगा लापरवाही मिलती है तो ठोस करवाई होगी निरीक्षण में एसडीएम ,तहसीलदार के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी भी जायज लेने के लिए पहुंचेंगे। इस दौरान जन शिक्षक गण मौजूद थे।

नैनो उर्वरकों का प्रयोग किसानों के लिए लाभकारी

सिरोंज। नैनो तकनीक आधारित नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी कृषि में लागत कम करने व लाभ के दृष्टिकोण से उपयुक्त है की जानकारी देते हुए किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक श्री केएस खपेड़िया ने बताया कि एक बोतल 500 मि.ली. नैनो यूरिया प्लस में एक बोरी यूरिया के बराबर ताकत होती है। इसी तरह नैनो डीएपी की एक बोतल में एक बोरी दानेदार डीएपी के बराबर पौषक तत्व पाये जाते हैं। नैनो यूरिया प्लस 4 मि.ली. प्रति लीटर पानी अथवा 500 मि.ली. की एक बोतल प्रति एकड़ की दर से घोल बनाकर फसलों की वनस्पतिक अवस्था (कल्लेध्शाखा बनते समय) एवं फूल निकलने से पहले वाली अवस्था पर छिड़काव करना चाहिए। उपसंचालक खपेड़िया ने बताया कि धान में जड़ उपचार के लिए 5 मि.ली. नैनो डी.ए.पी. प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर जड़ को 20 से 30 मिनट तक घोल में डुबोयें रखें फिर छाव में सुखाने के उपरांत रोपाई करें। नैनो डी.ए.पी. का पर्णीय उपचार 4 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसलों की वनस्पतिक अवस्था (कल्लेध् शाखा बनते समय) या फूल निकलने से पहले वाली अवस्था पर छिड़काव करना चाहिए। नैनो डीएपी के प्रयोग से दानेदार डीएपी की मात्रा को 50 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। नैनो डीएपी से बीज एवं जड़ उपचार करने पर बीज अंकुरण में वृद्धि एंव जड़ क्षेत्र का अधिकविकास होता है। नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का प्रयोग सभी फसलों में किया जा सकता है।

मेट्रो एंकर फायर सिस्टम व एनओसी की जांच हेतु दल गठित, शीघ्रतिशीघ्र कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें:कलेक्टर

फायर प्लान,एनओसी नहीं होने पर की जाएगी कार्यवाही

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी बुद्धेश कुमार वैद्य ने विदिशा जिले की समस्त निकायो के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को आदेशित किया है कि निकाय क्षेत्र में स्थित ऊँची इमारते, होटल शैक्षणिक भवन, संस्थागत भवन, व्यवसायिक भवन, औद्योगिक भवन, सभा भवन, आवासीय भवन एवं अन्य सभी प्रकार के भवनो में उपयुक्त फायर सिस्टम स्थापित करने तथा फायर एनओसी के लिए जाने के कार्यो का स्थलीय निरीक्षण गठित टीम के सदस्यो के द्वारा शीघ्रतिशीघ्र कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री वैद्य के द्वारा जारी आदेशानुसार फायर एनओसी की प्राप्ति का कार्य नगरीय प्रशासन एवं विकास भोपाल के संयुक्त संचालक कार्यालय से प्राप्त करने हेतु अधिकृत किया गया है। जिसके अनुसार विदिशा जिले के अंतर्गत निकाय क्षेत्रों में निर्मित या निर्माणाधीन बहुमंजिला, आवासीय, व्यवसायिक, औद्योगिक सभा भवन, संस्थागत, शैक्षणिक भवन, अस्पताल, पेट्रोल पम्प एवं अन्य भवनो में फायर एनओसी अधिकृत संस्थान से प्राप्त की गई है कि नहीं।

राष्ट्रीय भवन संहिता एनबीसी 2016 के भाग चार अनुसार निम्नलिखित भवनो हेतु फायर एनओसी ली जाना है एवं तदानुसार उपयुक्त फायर सिस्टम स्थापित किया जाना आवश्यक है। 15 मीटर से ऊंचे समस्त भवन, एक तल पर 500 मीटर से अधिक निर्मित क्षेत्रफल वाले समस्त भवन (आवासीय एवं धार्मिक, सामुदायिक भवनो को छोडकर), कोई भी होटल, अस्पताल, जिनमें 50 से अधिक पलंग, बिस्तर हो पचास से कम पलंग, बिस्तर वाले अस्पताल, होटल स्वंय पालन कर पंजीकृत फायर इंजीनियर का प्रमाणीकरण प्रस्तुत करेंगे तथा संचालन के लायसेंस, अनुमति के समय सक्षम अधिकारी को प्रस्तुत करेंगे।

यह संज्ञान में आया है कि निकाय क्षेत्रांतर्गत निर्मित बहुमंजिला आवासीय, औद्योगिक, होटल, व्यवसाय, संस्थागत, शैक्षणिक, मिश्रित उपयोग के भवन आकस्मिक भवन या अन्य भवनो में फायर उपकरण लगाए बगैर आधिपत्य में लेकर उपयोग किया जा रहा है।

उपरोक्त कार्यो के निरीक्षण हेतु नगरीय प्रशासन एवं विकास भोपाल संभाग की संयुक्त संचालक द्वारा जारी तीन सदस्यीय जांच दल का गठन किया गया है। नगर पालिका एवं नगर परिषद के मुख्य नगरपालिका अधिकारी दल के अध्यक्ष होंगे वहीं दल में नगरपालिका व नगर परिषद के उपयंत्री तथा राजस्व उप निरीक्षक को सदस्य नियुक्त किया गया है। दल निकाय क्षेत्र अंतर्गत एनबीसी पार्ट चार 2016 के प्रावधान अनुसार आने वाले सभी प्रकार के भवनो की सूची तैयार कर भवनो का निरीक्षण करेंगे एवं निरीक्षण रिपोर्ट निर्धारित प्रपत्र में पांच दिवस के भीतर प्रस्तुत करेंगे। शासन के नियमो के दिशा निर्देशानुसार निकायों के अधिकारी अपने-अपने कार्यक्षेत्रों की समस्त प्रकार के भवनो की सूची तैयार कर इस कार्यालय को सूचित करें। जिन भवन मालिको द्वारा तीन दिवस के भीतर फायर प्लान एप्रूवल, फायर एनओसी की कार्यवाही नहीं की जायेगी।

रक्तदान महादान हमें समझना होगा रक्तदान का महत्व

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

रक्तदान को दुनिया में सबसे बड़ा दान माना गया है क्योंकि रक्तदान ही है, जो किसी जरूरतमंद का जीवन बचाता है साथ ही जिंदगी बचाकर उस परिवार के जीवन में खुशियों के कई रंग भी भरता है। आप सोचिए कि कोई व्यक्ति रक्त के अभाव में जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहा है और आप उसकी उम्मीद की किरण बनकर सामने आते हैं और आपके द्वारा किए गए रक्तदान से उसकी जिंदगी बच जाती है तो आपको कितनी खुशी होगी। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर ब्लड हेल्पलाइन मध्यप्रदेश के अध्यक्ष एवं स्वास्थ्य विभाग विधायक प्रतिनिधि गजेन्द्र चौहान ने बताया कि पहले चिकित्सा विज्ञान इतना विकसित नहीं था और किसी को पता ही नहीं था कि एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति का रक्त चढ़ाकर किसी रोगी मरीज का जीवन बचाया जा सकता है। उस समय रक्त की कमी से असमय होने वाली मौतों का आंकड़ा बहुत ज्यादा था किन्तु अब स्थिति बिल्कुल अलग है। जीवनदायी रक्त की महत्ता के मद्देनजर लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए जागरूक करने का उद्देश्य से 14 जून 1868 को जन्मे ÷कार्ल लैंडस्टीनर÷ के जन्मदिवस पर 14 जून 2004 को रक्तदाता दिवस की शुरूआत की गई थी और तब पहली बार विश्व स्वास्थ्य संगठन, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेडक्रॉस द्वारा रक्तदाता दिवस% मनाया गया था, तभी से यह दिन रक्तदान के नाम कर दिया गया। यह दिन ÷धन्यवाद रक्तदाता÷ थीम के साथ मनाया जा रहा है। विश्व रक्तदाता दिवस की शुरूआत का उद्देश्य यही था कि चूंकि दुनियाभर में लाखों लोग समय पर रक्त न मिल पाने के कारण मौत के मुंह में समा जाते हैं, अतः लोगों को रक्तदान करने के लिए जागरूक किया जाए। रक्तदान के महत्व को लेकर किए जाते रहे प्रचार-प्रसार के बावजूद आज भी बहुत से लोगों के दिलोदिमाग में रक्तदान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान हैं, जैसे शरीर में कमजोरी आती है, बीमारियां शरीर को जकड़ सकती हैं।

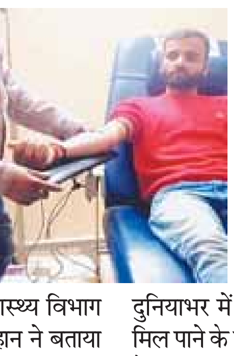

इंडियन ग्रैंड प्रिक्स एथलेटिक्स

एंसी सोजन ने जीता गोल्ड लेकिन ओलंपिक मार्क चूकी

बेंगलूरु, एजेंसी

सात महीने बाद चोट से उबरकर वापसी करते हुए एशियन गेम्स की रजत पदक विजेता एंसी सोजन ने बुधवार को यहां इंडियन ग्रैंड प्रिक्स में महिलाओं की लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीता। केरल की एथलीट ने 6.52 मीटर की छलांग लगाई। वहीं, नयना जेम्स ने 6.48 मीटर संग रजत पदक जीता। एंसी अपने सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन से 11 सेमी और पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन मार्क से 34 सेमी पीछे रही। इसके बावजूद उनका यह परिणाम इस महीने के अंत में होने वाले राष्ट्रीय अंतरराज्य चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन करने के लिए उन्हें प्रेरित करेगा, जोकि पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन के लिए आखिरी स्पर्धा है। स्वर्ण जीतने के बाद एंसी ने कहा कि वह कड़ी मेहनत के साथ अपने प्रदर्शन में सुधार करेगी।

दिग्गज का फैसला: पेरिस ओलंपिक के लिए विम्बलडन में नहीं खेलेंगे नडाल

मैड्रिड, एजेंसी

स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के मद्देनजर विम्बलडन का हिस्सा नहीं होंगे। नडाल ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं पेरिस ओलंपिक में खेलने के लिए जरूर उतरूंगा, जो कि मेरा आखिरी ओलंपिक है। यह मेरे शरीर के लिए भी अच्छा है कि मैं क्ले पर ही खेलूं। इस कारण मैं विम्बलडन में नहीं खेलूंगा। अगले महीने से शुरू होने वाले साल के तीसरे ग्रैंड स्लेम टेनिस टूर्नामेंट विम्बलडन की इनामी राशि में बढ़ोतरी की गई है।

दोनों टीमों के बीच अब तक कोई इंटरनेशनल मुकाबला नहीं हुआ

आज भारत के खिलाफ उतरेगी कनाडा

नईदिल्ली, एजेंसी

टी-20 इंटरनेशनल में जहां एक गेंद खाली करना मुश्किल होता है। इन मुकाबलों में एक गेंदबाज अपने 4 ओवर्स में औसतन 8 डॉट बॉल फेंकता है, लेकिन आज भारत का मुकाबला कनाडा के कप्तान साद बिन जफर से है, जिन्होंने टी-20 में बॉलिंग की परिभाषा ही बदल दी है। साद ने पनामा के खिलाफ 4 ओवर फेंके, 2 विकेट लिए। सबसे खास बात साद ने 4 ओवर की 24 गेंदों पर एक भी रन नहीं दिया। यानी चारों ओवर मेडन। साद की कप्तानी में आज फ्लोरिडा के क्रिकेट स्टेडियम में कनाडा की टीम भारत से मुकाबला करने उतरेगी। अकेले साद नहीं हैं। रेयान खान पठान भी हैं, जिन्होंने पनामा के खिलाफ टी-20 मैच में शतक लगाया था। कनाडा पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप खेल रही है। भारत और कनाडा के बीच अब तक कोई इंटरनेशनल मुकाबला नहीं हुआ है। कनाडा ने अब तक 58 टी-20 इंटरनेशनल में 30 में जीत हासिल की है और 25 में उसे हार मिली है। 2 मैच में टाई और 1 मैच में कोई रिजल्ट नहीं आया है।

मैच की अहमियत: टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत अब तक अजेय है। उसने अपने 3 मैचों में आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका को हराया है और सुपर-8 के लिए क्वालिफाई कर चुकी है। कनाडा को 3 मैचों में एक जीत और 2 में हार मिली है। कनाडा को अगर सुपर-8 में पहुंचना है तो उसे हर हाल में भारत के खिलाफ जीतना होगा। साथ ही उसे ग्रुप में पाकिस्तान और आयरलैंड के मुकाबलों के नतीजों का इंतजार करना होगा।

टॉस का रोल: फ्लोरिडा में अब तक हुए 16 मैचों में पहले बैटिंग करने वाली टीम ने 9 मुकाबले जीते हैं, पर पिछले कई दिनों से फ्लोरिडा में भारी बारिश हो रही है। जिस वजह से मैच होने की संभावना बहुत कम है, अगर मुकाबला होता है तो पिच में नमी रहेगी इस वजह से जो भी टीम टॉस जीतेगी वो चेज करना पसंद करेगी। फ्लोरिडा में इस समय बाढ़ जैसे हालात है। ग्रुप के बचे सभी 3 मैच फ्लोरिडा में होने है।

साउथ अफ्रीका ने नेपाल को 1 रन से हराया

नेपाल ने टी-20 वर्ल्ड कप के 31वें मैच में साउथ अफ्रीका ने नेपाल को 1 रन से हरा दिया। नेपाल को आखिरी ओवर में जीत के लिए 8 रन की जरूरत थी, लेकिन 6 रन ही बना सकी और मुकाबला 1 रन से हार गई। साउथ अफ्रीका की तरफ से यह ओवर ओटनील बार्टमैन डाल रहे थे। इस ओवर में शुरुआती 5 गेंद पर स्ट्राइक पर रहे गुलशन झा ने 6 रन बना लिए थे। आखिरी बॉल पर वह बीट हुए। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने सिंगल लेने की कोशिश की लेकिन वो रन आउट हो गए। ऐसे में नेपाल सिर्फ 1 रन से मैच हार गया। किंग्सटाउन के अर्नोस वेले ग्राउंड शनिवार को नेपाल ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। पहले बैटिंग करते हुए साउथ अफ्रीका ने नेपाल को 116 रन का टागरेट दिया है। जवाब में नेपाल 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 114 रन ही बना सकी। साउथ अफ्रीका की ओर से तबरेज शम्सी ने 4 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मच चुना गया। रीजा हेंड्रिक्स ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 43 रन की पारी खेली। उन्होंने इसके लिए 49 गेंद खेली। वहीं ट्रिस्टन स्टब्स ने भी नाबाद 27 रन की अच्छी पारी खेली। कुशल भुर्तेल ने 4 और दीपेन्द्र सिंह ने 3 विकेट अपने नाम किए। साउथ अफ्रीका का टी-20 वर्ल्ड कप में यह दूसरा सबसे छोटा स्कोर (115/7) है। टीम के दोनों छोटे स्कोर इसी वर्ल्ड कप में आए हैं। इससे पहले बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाफ टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर सिर्फ 113 रन ही बना पाई थी।

भारत को सुपर-8 में पहुंचाने वाले हीरोज

अर्शदीप की मैच विनिंग गेंदबाजी : अर्शदीप नई बॉल से शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं। अमेरिका के खिलाफ हुए मुकाबले में अर्शदीप ने 4 ओवर में 9 रन देकर 4 विकेट लिए थे। ये किसी भी इंडियन बॉलर्स का टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे अच्छा प्रदर्शन है। पाकिस्तान के खिलाफ भी अर्शदीप ने आखिरी ओवर में 18 रन सेव किए थे।

सूर्या की फॉर्म में वापसी : अमेरिका-भारत मुकाबले में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीता और गेंदबाजी चुनी। अमेरिका को 110 के स्कोर पर रोक दिया। न्यूयॉर्क की चैलेंजिंग पिच पर भारत ने रोहित शर्मा और विराट कोहली को 10 रन पर गंवा दिए। सूर्यकुमार यादव ने पारी संभाली और 49 बॉल पर 50 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। सूर्या शुरुआती मैचों में कुछ खास नहीं कर पाए, लेकिन इस पारी से वो फॉर्म में वापस लौट आए हैं।

विराट कोहली : इस साल आईपीएल के सबसे सफल बल्लेबाज है। उन्होंने 15 मैच में 61.75 की औसत से 741 रन बनाए है। हालांकि अब तक इस वर्ल्ड कप में ज्यादा कुछ नहीं कर पाए है। इस मैच में उन्हें ओपनिंग की जगह वापस नंबर 3 पर भेजा ज सकता है। वहीं जसप्रीत बुमराह वर्ल्ड क्रिकेट में इस समय के सबसे खतरनाक बॉलर में शुमार है।

बैडमिंटन: ऑस्ट्रेलियन ओपन में शानदार प्रदर्शन

प्रणय और समीर ने अंतिम आठ में जगह बनाई

सिडनी. एजेंसी

भारतीय शटलर एचएस प्रणय और समीर वर्मा ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन के पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। पांचवीं वरीय खिलाड़ी प्रणय ने अंतिम-16 में इजराइल के मिशा जिल्बरमैन को महज 46 मिनट में 21-17, 21-15 से हराया। वहीं, समीर ने उलटफेर करते सिंगापुर के लोह किन यू को एक घंटे 2 मिनट में 21-14, 14-21, 21-19 से मात दी।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025: पाकिस्तान में आयोजित होगा टूर्नामेंट

हमें किसी भी हाल में हाइब्रिड मॉडल मंजूर नहीं पीसीबी बोला- पाकिस्तान में खेलने आए इंडिया

कराची. एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने साफ कर दिया वह एशिया कप 2023 की तरह चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान भारत के मैचों के लिए हाइब्रिड मॉडल पर विचार नहीं करेगा। पीसीबी ने कहा कि टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेलने के लिए पाकिस्तान आना होगा। वहीं, बीसीसीआइ का रुख है कि सरकार की अनुमति के बिना टीम इंडिया पाकिस्तान नहीं जाएगी। एशिया कप 2023 के दौरान भारत के सभी मैच श्रीलंका में आयोजित किए गए थे। लेकिन पीसीबी ने कहा कि भारतीय टीम की सुविधा के लिए उसके सभी मैच लाहौर में आयोजित कराए जा सकते हैं। ऐसे में टीम इंडिया को ज्यादा शहरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

19 फरवरी से टूर्नामेंट शुरू कराने का प्रस्ताव दिया: इस बीच, पीसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से 09 मार्च के बीच कराए जाने का प्रस्ताव आइसीसी को दिया है। पाक क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि टूर्नामेंट के सभी मुकाबले तीन शहरों कराची, लाहौर और रावलपिंडी में खेले जाएंगे।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

फिर से डीपफेक एआई का शिकार हुईं आलिया, वीडियो वायरल पर प्रशंसक हुए नाराज

आलिया भट्ट ने छोटी ही उम्र में बॉलीवुड में वो शोहरत और मुकाम हासिल कर लिया है, जो कई अभिनेत्रियां कई सालों के बाद भी हासिल नहीं कर पाती हैं। आलिया की फैन फॉलोइंग काफी अच्छी है। उनकी फिल्मों से लेकर उनकी एक झलक पाने के लिए बेकरार रहते हैं उनके प्रशंसक। आलिया आज के वक्त पर इतनी बड़ी स्टार बन चुकी हैं कि उनका एक भी फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही मिनटों में वायरल हो जाता है, लेकिन उनके कुछ फैंस असली और नकली का फर्क नहीं समझ पाते हैं, इसलिए वह डीपफेक वीडियो पर भी लाइक कर देते हैं, और यही वजह है कि एआई से बना हुआ आलिया का फोटो और वीडियो मिनटों में वायरल हो जाता है, लेकिन कुछ आलिया के फैंस ऐसे भी हैं, जिन्हें सच्चाई का पता चलते ही सही बात कर कहना और सही कदम उठाना आता है। ऐसा की एक वाक्या आलिया के साथ फिर से हुआ है। आलिया का एक बार फिर से डीपफेक एआई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसको लेकर उनके प्रशंसकों को उनकी चिंता सता रही है और इस वीडियो को लेकर वह अपनी नाराजगी लगातार सोशल मीडिया पर जाहिर कर रहे हैं।

यह है पूरा मामला : आलिया भट्ट के प्रशंसक हैरान और चिंतित हैं, क्योंकि उनकी पसंदीदा अभिनेत्री आलिया भट्ट का एक और नया डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो क्लिप में आलिया की एआई अवतार 'मेरे साथ तैयार हो' ट्रेंड में हिस्सा लेती नजर आ रही हैं। वीडियो को इंस्टाग्राम पर अनफीक्स फेस के नाम से यूजर ने साझा किया है और अब तक इस वीडियो को 17 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है। इस इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नहीं बल्कि आलिया के कई एआई डीपफेक वीडियो दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, डीपफेक क्लिप के वायरल होने के तुरंत बाद ही आलिया भट्ट के प्रशंसकों ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी थी। उन्होंने एआई पर चिंता व्यक्त की और सोशल मीडिया पर अपनी राय साझा कीं। एक प्रशंसक ने लिखा, मुझे लगा कि यह आलिया है, फिर मैंने ध्यान से देखा तो पता चला कि वह आलिया नहीं है। एक और प्रशंसक ने लिखा, एआई बहुत खतरनाक है एक फैन ने लिखा, क्या बकवास है। एआई वास्तव में सब कुछ जीत रहा है एक और फैन ने डीपफेक को खतरनाक कहा है। बता दें यह पहली बार नहीं है जब आलिया का डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस साल मई में आलिया का एक वीडियो ऑनलाइन सामने आया था, जिसमें उनका चेहरा अभिनेत्री वामिका गब्बी के फिगर पर लगाया गया था। हाल ही में रश्मिका मंदाना, काजोल और कैटरीना कैफ समेत कई कलाकार डीपफेक का शिकार हो चुकी हैं।

'स्त्री 2' का टीजर जारी! तमन्ना लगाएगी डांस मूव्स का तड़का

'स्त्री 2' का टीजर ऑनलाइन लीक हो गया है। राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर हॉरर-कॉमेडी फिल्म से दोबारा धमाल मचाने आ रहे हैं। वहीं, इसमें एक अन्य हसीना के स्पेशल अपीयरेंस के भी संकेत मिले हैं। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव अभिनीत हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 का टीजर रिलीज हो गया है लेकिन एक ट्विस्ट के साथ। टीजर को अभी तक सोशल मीडिया पर दर्शकों के लिए उपलब्ध नहीं कराया गया है, लेकिन इसका लुत्फ 'मुंजा' देखने थिएटर पहुंच रहे दर्शक उठा रहे हैं। इसी बीच मुंजा देखने पहुंचे प्रशंसकों ने टीजर का वीडियो सोशल मीडिया पर जारी कर दिया है, जो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर छा गया है। वहीं, फिल्म में एक अन्य हसीना के स्पेशल अपीयरेंस के भी संकेत मिले हैं- श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव अभिनीत फिल्म स्त्री 2 का टीजर सिनेमाघरों में मुंजा की स्क्रीनिंग के दौरान जारी किया गया। टीजर में, उत्साहित प्रशंसकों ने तमन्ना भाटिया को एक विशेष उपस्थिति में भी देखा। एक पेप्पी डांस नंबर में अभिनेत्री हर किसी का दिल जीतने में सफल रही हैं। सिनेमाघरों से सीधे वीडियो साझा करते हुए, प्रशंसकों ने स्त्री 2 के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया क्योंकि टीजर ने उनकी प्रत्याशा को दोगुना कर दिया।

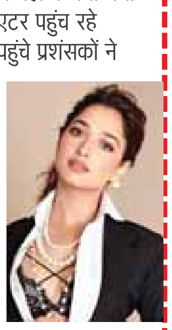

यश की 'टॉक्सिक' में अभिनेत्री कियारा आडवाणी भी आएंगी नजर

साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म केजीएफ 2 के बाद से अब तक सुपरस्टार यश बड़े पर्दे पर नहीं नजर आए हैं। फिलहाल वह अपनी आगामी फिल्म टॉक्सिक को लेकर व्यस्त हैं, जिसको लेकर कहा जा रहा है कि ये एक मशहूर ब्रिटिश वेब सीरीज की तर्ज पर बन रही है। यश कन्नड़ फिल्मों के मशहूर अभिनेता हैं। वह साल 2022 में रिलीज हुई अपनी आखिरी रिलीज फिल्म केजीएफ 2 से वह देश भर में मशहूर हो चुके हैं। केजीएफ फ्रेंचाइजी की दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थीं। केजीएफ 2 के बाद से ही अभिनेता बड़े पर्दे पर नजर नहीं आए हैं। ऐसे में उनके फैंस उन्हें वापस से बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब हो रहे हैं। हालांकि, अब अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म के लिए तैयारी शुरू कर दी है। वह अपनी आगामी फिल्म टॉक्सिक में नजर आने वाले हैं। बता दें कि फिल्म में यश और नयनतारा के अलावा हिंदी फिल्मों की जानी पहचानी अभिनेत्री कियारा आडवाणी भी नजर आने वाली हैं। वह इस फिल्म में अभिनेता यश की प्रेमिका के रूप में नजर आने वाली हैं। गैंगस्टर ड्रामा फिल्म की टैगलाइन है, बड़े लोगों के लिए परी कथा।

भाई-बहन के किरदार में दिखेंगे यश-नयनतारा

यश ने इस फिल्म के लिए महिला निर्देशक गीतू मोहनदास के साथ हाथ मिलाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म में विशेष तौर पर भाई-बहन की भावना दिखाई जाएगी। इसके लिए निर्माताओं ने बहन की भूमिका के लिए पहले बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर को चुना था, लेकिन करीना आखिरी समय में तारीखों की समस्या का हवाला देते हुए पीछे हट गईं। इसके बाद टीम ने मशहूर अभिनेत्री नयनतारा से संपर्क किया और उन्होंने तुरंत फिल्म के लिए हामी भर दी। फिल्म को लेकर लगातार नई जानकारी सामने आ रही है। अब कहा जा रहा है कि ये फिल्म एक लोकप्रिय ब्रिटिश वेब सीरीज के तर्ज पर बनाई जा रही है।

मेट्रो बाजार

भारत का निर्यात नौ फीसदी बढ़कर 38.13 अरब डॉलर, व्यापार घाटा 7 माह के शीर्ष पर

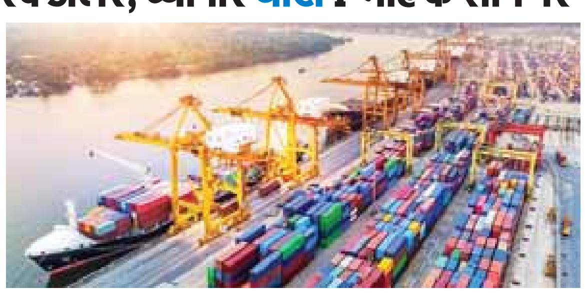

मुंबई, एजेंसी

भारत का निर्यात 2024 में 9 फीसदी बढ़कर 38.13 अरब डॉलर पहुंच गया है। यह बढ़ोत्तर तब हुई जब विश्व में कई क्षेत्रों में अनिश्चितता बनी हुई है। हालांकि व्यापार घाटा भी पिछले 7 महीनों के उच्चतम स्तर पर 23.78 तक पहुंच गया है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत से वस्तुओं का निर्यात मई, 2024 में सालाना आधार पर 9 फीसदी बढ़कर 38.13 अरब डॉलर पहुंच गया। एक साल पहले की समान अवधि में देश से 34.95 अरब डॉलर की वस्तुओं का निर्यात किया गया था। व्यापार घाटा भी पिछले माह बढ़कर सात महीने के उच्चतम स्तर 23.78 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले अक्तूबर, 2023 में सर्वाधिक 31.46 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ था। वाणिज्य मंत्रालय के जारी आंकड़ों के मुताबिक, कच्चे तेल की खरीदारी बढ़ने से मई में आयात भी 7.7 फीसदी बढ़कर 61.91 अरब डॉलर पहुंच गया। मई, 2023 में 57.48 अरब डॉलर का आयात किया गया था। मंत्रालय ने कहा कि इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक, औषधि, कपड़ा और प्लास्टिक जैसे क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से निर्यात में बढ़ोतरी दर्ज की गई है इससे पहले अप्रैल, 2024 में देश का निर्यात घटकर 41.68 अरब डॉलर रहा था। चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों यानी अप्रैल-मई में निर्यात 5.1 फीसदी बढ़कर 73.12 अरब डॉलर पहुंच गया। आयात भी 8.89 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 116 अरब डॉलर पर पहुंच गया। रत्न एवं आभूषण का निर्यात मई में 4.97 फीसदी घटकर 20,713.37 करोड़ रुपये रह गया। रत्न व आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के आंकड़ों के मुताबिक, सोने के आभूषणों का निर्यात 13.1 फीसदी बढ़कर 5,507.71 करोड़ पहुंच गया।

जुलाई में अरहर, चना और उड़द दाल की कीमतों में आ सकती है नरमी, आयात का मिलेगा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा है कि हम अच्छे मानसून की उम्मीद कर रहे हैं, जिसमें औसत से अधिक बारिश होगी। हमें उम्मीद है कि दलहन के रकबे में इस साल काफी सुधार होगा। किसान उच्च बाजार कीमतों को देखते हुए अधिक क्षेत्रफल में इसकी खेती करेंगे। बाजार की धारणा में भी सुधार होगा। बेहतर मानसून की उम्मीद और आयात बढ़ने से तुअर (अरहर), चना और उड़द दाल की कीमतों में जुलाई महीने से नरमी आने की संभावना है। यह बात केंद्रीय उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कही। उन्होंने कहा कि अगले महीने से इन तीन दालों का आयात भी बढ़ेगा और इससे घरेलू आपूर्ति बढ़ाने में मदद मिलेगी। मूंग और मसूर दाल की कीमतें संतोषजनक स्थिति में खरे ने कहा, तुअर (अरहर), चना और उड़द दाल के दाम पिछले छह महीनों में स्थिर लेकिन उच्च स्तर पर रहे हैं। मूंग और मसूर दाल में कीमतों की स्थिति संतोषजनक है। 13 जून को चना दाल का औसत खुदरा मूल्य 87.74 रुपये प्रति किलोग्राम, तुअर (अरहर) 160.75 रुपये प्रति किलोग्राम, उड़द 126.67 रुपये प्रति किलोग्राम, मूंग 118.9 रुपये प्रति किलोग्राम और मसूर 94.34 रुपये प्रति किलोग्राम था। उपभोक्ता मामलों का विभाग 550 प्रमुख उपभोक्ता केंद्रों से खुदरा मूल्य एकत्र करता है।

गार्ड की नौकरी करने वाले जालसाज ने अधिकारी को भी लगाई 40 लाख की चपत

आधा दर्जन लोगों से नौकरी और फर्म समेत अन्य काम कराने का प्रलोभन देकर लाखों की ठगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हबीबगंज पुलिस ने श्याम नगर में रहने वाले दंपती के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का मामला दर्ज किया है। दंपती ने मिलकर किसी को नौकरी के नाम पर तो किसी फर्म में पार्टनर बनाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी की है। दंपती के खिलाफ अब तक पांच लोग शिकायती आवेदन दे चुके हैं। पुलिस ने धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का मामला दर्ज कर आरोपी दंपती की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार नवल लोधी ईश्वर नगर दानापानी रोड पर रहते हैं और चाय की दुकान का संचालन करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि छोटू लोधी और काजल लोधी पति पत्नी हैं और श्याम नगर में रहते हैं। वे मूलतः ललितपुर उत्तर प्रदेश के हैं। नवल और छोटू की दोस्ती थी। नवल को छोटू फूफा कहता था। छोटू लोधी पर्यावास भवन में एक अधिकारी के पास चौकीदारी है, जबकि उसकी पत्नी पर्यावास भवन में आउटसोर्स कर्मचारी है। छोटू ने पर्यावास भवन में संचालित आईएफसीयू के अधिकारी दुष्यंत शर्मा को झांसे में लिया था और फर्म में निवेश की बात कही। उसने बताया था कि वह खुद फर्म का संचालन करता है। दुष्यंत शर्मा उसकी बातों में आ गए और फर्म में निवेश के नाम पर उन्होंने 40 लाख रुपए दे दिए।

नौकरी के नाम पर नवल को साढ़े 5 लाख की चपत

नवल को आरोपी छोटू ने कहा था कि तुम्हे शासकीय नौकरी दिला दूगा और बदले में साढ़े 5 लाख रुपए की रकम ले ली। बदले में नवल को 19 चेक आरोपी ने दिए थे। इसी प्रकार प्रिया सूर्यवंशी से नौकरी के नाम पर साढ़े चार लाख रुपए की ठगी जालसाज की पत्नी काजल लोधी ने की। विनोद मीणा से भी आरोपियों ने नौकरी के नाम पर ठगी की है। एक अन्य मैकेनिक से भी आरोपी ने रुपए लिए थे।

ठेकेदार के घर नकदी समेत ढाई लाख की चोरी

खिड़की की ग्रिल काटकर भीतर घुसे थे चोर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अवधपुरी थाना क्षेत्र में रहने वाले एक ठेकेदार के घर खिड़की की ग्रिल काटकर भीतर घुसे चोर नकदी और जेवरात समेत करीब ढाई लाख का सामान चोरी कर ले गए। घटना के समय पूरा परिवार घर ही था। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।कालोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं. पुलिस के मुताबिक मोहन सिंह लोधी मूलतः बाड़ी बरेली जिला रायसेन के रहने वाले हैं और पेटी कांट्रेक्टर हैं। फिलहाल वह परिवार के साथ अवधपुरी स्थित ग्लैक्सी सिटी में रहते हैं. लोधी काम इन दिनों इटारसी रेलवे स्टेशन पर चल रहा है। पिछले दिनों मोहन सिंह मूंग कटवाने के लिए अपने गांव बाड़ी चले गए थे। गुरुवार को वह एक लाख रुपए लेकर वापस लौटे और पत्नी को रखने के लिए दे दिए। पत्नी ने उक्त रुपए पूजा वाले कमरे में रखी अलमारी में रखकर बाहर से कुंदी लगा दी। शुक्रवार सुबह करीब सात बजे मोहन ने कमरे के कुंदी खोलकर भीतर प्रवेश करना चाहा तो पता चला कि कमरा अंदर से बंद है। चैक करने के लिए वह कमरे के पीछे पहुंचे तो खिड़की की ग्रिल कटी हुई मिली।

भतीजी को अकेला पाकर फूफा ने की अश्लील हरकत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऐशबाग थाना क्षेत्र में नाबालिग से सगे फूफा ने छेड़छाड़ कर दी। पुलिस ने फूफा के खिलाफ छेड़छाड़ और पाक्सो एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी नाबालिग को अकेला देखकर उसके साथ अश्लील हरकत की थी। घटना का खुलासा उस समय हुआ, जब नाबालिग ने परिजन से घर में सीसीटीवी कैमरे लगाने की जिद की। पुलिस के अनुसार इलाके में रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी घरेलू काम करती है। कुछ साल पहले उसकी मां का निधन हो गया था, जिसके बाद से उसने पढ़ाई छोड़ दी थी। नाबालिग के पिता और भाई प्रायवेट काम करते हैं। करीब दो सप्ताह पहले पिता और भाई काम से बाहर गए थे और नाबालिग घर पर अकेली थी। इसी बीच उसका फूफा घर पहुंचा और नाबालिग को अकेला पाकर उसके साथ अश्लील हरकत करने लगा। पीड़िता के शोर मचाने पर वह धमकी देते हुए भाग निकला। गत दिनों नाबालिग ने परिजन से कहा कि घर में सीसीटीवी कैमरे लगवा दीजिए। परिजन ने जब कैमरे लगवाने का कारण पूछा तो उसने अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी। उसके बाद परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

युवती से बातचीत कर रहे नाबालिग की कहासुनी, बदमाशों ने चाकू से किया हमला

महिलाओं से गालीगलौज करने पर हुआ विवाद, हत्या के प्रयास का केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो। रॉयल मार्केट में युवती और उसकी मां से बातचीत के बीच हुई कहासुनी के बाद दो युवकों ने नाबालिग से मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर दिया। घटना गुरुवार देर रात करीब साढ़े 11 बजे के आसपास की बताई जा रही है। नाबालिग को पेट में और हाथ समेत कोहनी के पास चाकू लगने से गंभीर चोट आई है। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने नाबालिग की बहन की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है।

एसआई दयाशंकर पांडे ने बताया कि 24 साल की याशमीन, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी करोंद में रहती हैं। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उसका 17 साल का भाई जुबेर, छल्ले, नेलकटर समेत लॉकेट और अन्य सामान सड़क पर बेचता है। हाउसिंग बोर्ड करोंद में रहने वाली एक लड़की से उसकी दोस्ती हैं। गुरुवार रात वह रॉयल मार्केट में जीपीओ के सामने रात करीब साढ़े 11 बजे लड़की से बातचीत कर रहा था। इसी दौरान लड़की मां भी पहुंच गई। लड़की और उसकी मां से जुबेर की कहासुनी हो रहीथी। इसी बीच वहां भूरा और अमन का पहुंचना हुआ। आरोपी भूरा और अमन हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहते हैं और जुबेर समेत लड़की और उसकी मां को जानते हैं। उन्होंने मौके पर पहुंचकर विवाद की वजह पूछी तो लड़की और उसकी मां ने कहा कि जुबेर उनसे गालीगलोज और विवाद कर रहा है।

समझाइश देने पर हुआ विवाद

भूरा और अमन ने जुबेर को समझाइश दी कि महिलाओं को गालीगलौज क्यों कर रहा है। इस पर जुबेर उन पर भड़क गया और उनसे झूमाझटकी करने लगा। झूमाझटकी के बाद मारपीट होने लगी और भूरा ने चाकू से जुबेर पर हमला कर दिया। चाकू से हमला होने के कारण जुबेर को पेट और हाथ में दो जगह चाकू लगा है। उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, वहां ऑपरेशन के बाद उसकी स्थिति खतरे से बाहर है।

शादी का बना रही थी दबाव

पुलिस की पूछताछ में यह बात सामने आई कि लड़की और जुबेर की दोस्ती है। लड़की जुबेर पर शादी का दबाव बना रही थी। इसी बात को लेकर उसकी जुबेर से कहासुनी हो रही थी। कहासुनी के बाद लड़की ने अपनी मां को बुला लिया। मां के पहुंचने पर जुबेर भड़क गया और दोनों से गालीगलौज करने लगा। इस बीच उसे भूरा और अमन ने समझाने का प्रयास किया तो जुबेर ने भूरा और अमन से विवाद शुरू कर दिया था।

मकान मालिक और मालकिन से विवाद, 15 साल की किशोरी को छत से नीचे गिराया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित हिनोतिया में मकान मालिक और उसकी पत्नी ने अपने ही मकान में किराए से रहने वाली पंद्रह साल की किशोरी से विवाद करते हुए झूमाझटकी कर दी। झूमाझटी और मारपीट में किशोरी मकान की छत से गिर गई और उसे गंभीर चोट आईड़थी। परिजन किशोरी को लेकर अस्पताल पहुंचे वहां इलाज के बाद उसके स्वास्थ्य में सुधार है। अस्पताल की सूचना पर पर पहुंची पुलिस ने किशोरी की शिकायत पर आरोपी दंपती के खिलाफ गालीगलौज, मारपीट और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार पंद्रह साल की दुर्गा पिता रतन सिंह हिनोतिया, थाना अशोका गार्डन क्षेत्र में बालाप्रसाद के मकान में रहती है। गत 10 जून की रात बाला प्रसाद की पत्नी विमला बाई और किराएदार दुर्गा की कहासुनी हो

गई। मकान मालकिन विमलाबाई का कहना था कि दुर्गा उसकी लोगों से बुराई करती है। इसी बात को लेकर दोनों में गालीगलौज और झूमाझटी होने लगी। विवाद बढ़ने पर दोनों के बीच बाला प्रसाद भी पहुंच गए थे। पीड़िता दुर्गा ने बताया कि दोनों ने उससे मारपीट करते हुए उसे छत से नीचे धकेल दिया था। पुलिस का कहना है कि मकान चार मंजिला है। यदि वह छत से गिरती तो उसकी जान को खतरा हो सकता है। शुक्रवार रात पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर पड़ताल करेगी।

24 घंटे में ऑटो और दोपहिया समेत छह वाहन चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है. पिछले चौबीस घंटों के दौरान विभिन्न इलाकों से बदमाश एक आटो और पांच दोपहिया वाहन चोरी कर ले गए. पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है, लेकिन एक भी वारदात के आरोपियों का सुराग नहीं लग पाया है. पुलिस के मुताबिक निशातपुरा में रहने वाले वसीम खान आटो चलाते हैं. रात के समय उन्होंने अपना आटो दशहरा मैदान के पास खड़ा किया था. अगली सुबह देखा तो आटो गायब हो चुका था. काफी तलाश करने के बाद भी जब आटो नहीं मिला तो उन्होंने थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई. चोरी गए आटो की कीमत तीन लाख से ज्यादा बताई गई है. इधर कोहेफिजा थानांतर्गत इंद्रविहार कालोनी स्थित एक मकान के सामने खड़ी बजाज पल्सर बाइक चोरी हो गयी. पुलिस ने अशोक अहिरवार की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज किया है. अशोक संजीव नगर में रहते हैं और काम करने के लिए इंद्रविहार कालोनी पहुंचे थे. इसी प्रकार ऐशबाग थानांतर्गत मेहता मार्केट में आटो पार्ट्स की दुकान चलाने वाले संजीव की दुकान के बाहर खड़ी स्कूटर चोरी हो गई।

मेट्रो एंकर मानसून से पहले एसडीईआरएफ ने बनाया एक्शन प्लान

स्टेट कमांड सेंटर स्थापित, हेल्पलाइन नंबर भी जारी, जवानों ने पुणे में ली ट्रेनिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

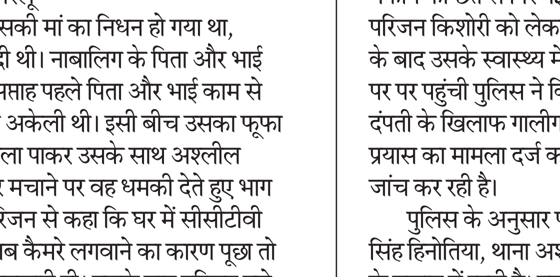

मध्य प्रदेश पुलिस बारिश के मौसम में किसी भी आपदा के निपटने के लिए मुस्तैद हो चुकी है। मानसून के पहले राष्ट्रीय आपदा आपातकालीन मोचन बल (एसडीईआरएफ) ने अपना एक्शन प्लान तैयार कर लिया है। बाढ़ और फ्लैश फ्लड की घटनाओं के दौरान होने वाली जानमाल की हानि से नागरिकों को बचाने के लिए एसडीईआरएफ ने तैयारी शुरू कर दी गई हैं। डीजी अरविंद कुमार ने अतिवृष्टि एवं बाढ़ से निपटने की पूर्व तैयारियों के संबंध में प्रदेश के सभी संभागों के डिवीजनल कमांडेंट, वरिष्ठ अधिकारियों और कार्यालय प्रमुखों को हर पल चौकस रहने के निर्देश भी दिए हैं। बाढ़ एवं आपदा से निपटने के लिए स्टेट कमांड सेंटर स्थापित किया गया है। इसके अलावा नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। टोल फ्री नंबर 1079, 1070 तथा लैंडलाइन नंबर 7648861040, 7548861050, 7648861060, 7648861080 पर कॉल कर मदद मांगी जा सकती है। एसडीईआरएफ के जवान हर चुनौती का डटकर सामना कर सकें, इसके लिए उन्हें पुणे में 40 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया है। एसडीईआरएफ के 50 जवानों का पहला बैच 12 अप्रैल को पुणे भेजा गया था, जो 21 मई को लौट आया है। 28 मई को 50 जवानों के दूसरे बैच को प्रशिक्षण के लिए भेजा गया है। बाढ़, अतिवृष्टि और आपदा की स्थिति में बचाव कार्य के लिए जवानों को क्षमता वृद्धि एवं कौशल उन्नयन के लिए उच्च कोटि का प्रशिक्षण राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण संस्थानों में करवाया गया है। जवान यहां मोटरबोट हैंडलिंग, स्वीमिंग, डीप डाइविंग, बाढ़ के दौरान उपयोग आने वाली अन्य तकनीकों आदि का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

आपदा की स्थिति में बचाव सुनिश्चित करें: डीजी

डीजी होमगार्ड अरविंद कुमार ने विभिन्न संभागों के डिवीजनल कमांडेट और अन्य अधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने ईओसी को पुनः सक्रिय किए जाने, डीआरसी डिवीजनल रिजर्व और डीजी रिजर्व के गठन, क्यूआरटी व एसडीईआरएफ टीम की तैनाती, बाढ़ बचाव में उपलब्ध बचाव सामग्री व उपकरणों की समीक्षा एवं अन्य आवश्यक मांग, अन्य बचाव दलों से समन्वय, कार्यालय से डीडब्ल्यूआरएस पोर्टल में पंजीकृत संख्या व ज्ञात समस्याएं तथा आपदा मित्रों को राहत बचाव कार्य में शामिल किए जाने के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने सभी जिला इकाइयों में आपदा राहत के सूचना तंत्र को मजबूत बनाने और मछुआरों, तैराकों, गोताखोरों, नाविकों, पूर्व अनुभवी व प्रशिक्षित जवानों तथा आईआरओ के नाम, पते व मोबाइल नंबर रखने के निर्देश दिए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022